लखनऊ

शुक्रवार, 5 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 56

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

किसी के बुरे वक़्त में उसका हाथ, पकड़ो, सहारा दो और उसे हिम्मत, दो, क्यूँकि बुरा वक़्त तो थोड़े समय में चला जायेगा, लेकिन वो आपको दुआ ज़िंदगी भर देते रहेगा

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा, जिलाधिकारी मेधा रूपम ने प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

नोएडा। यमुना नदी में जलस्तर लगातार बढ़ने की आशंका के बीच गौतमबुद्ध नगर प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-150 स्थित इलाकों का दौरा किया और वहां मौजूद प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सभी नागरिकों और पालतू पशुओं को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को प्रशासन के शरणालयों में व्यवस्थित रूप से शिफ्ट किया जाए, वहीं पशुओं के लिए सुरक्षित ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों में ठहरने की उचित व्यवस्था की जाए। साथ ही उनके लिए पर्याप्त मात्रा में चारा और सूखे स्थान का इंतजाम भी सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि राहत शिविरों में सभी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। इनमें स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त भोजन, चिकित्सा सुविधा, शौचालय, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति और सुरक्षा व्यवस्था शामिल होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर स्तर पर सतर्कता बरती जाए। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि तकरीबन 40 प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इसके साथ ही कई पालतू और दुधारू पशुओं को भी सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है।

आरोपी विपिन भाटी के वकील ने घटना पर उठाए सवाल, पुलिस से की निष्पक्ष जांच की मांग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के निक्की हत्याकांड को लेकर मुख्य आरोपी विपिन भाटी के वकील मनोज भाटी ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। मनोज भाटी ने कहा कि जांच में कई पेंच हैं, इसलिए इसको कमजोर करने की कोशिश हो रही है। वकील मनोज भाटी ने कहा, फोर्टिस अस्पताल के एमएलसी (मेडिको-लीगल केस) के मुताबिक मृतका की मौत सिलेंडर फटने से हुई है, यह हत्या का मामला कहां है? इस मामले में चल रही जांच में कई खामियां हैं। जांच ठीक और निष्पक्ष तरीके से की जाए। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य शुरू से यही रहा है कि एक निष्पक्ष जांच हो। मामले को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं। जांच अभी चल रही है, जैसे ही कुछ स्पष्ट होगा, तुरंत ही केस दर्ज करा दिया जाएगा। सोशल मीडिया कानूनी सबूत नहीं है। वहां कुछ भी गलत पोस्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया से कुछ भी वास्तविक नहीं मिलता, न तो सोशल मीडिया और न ही कानून उस आधार पर चलता है। विपिन भाटी के वकील ने कहा, हम इस मामले में पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की है। घटना को सोशल मीडिया पर फैलाया गया था। हम जल्द ही सभी को जमानत दिलाने की कोशिश करेंगे। निक्की हत्याकांड मामले में एक के बाद एक खुलासे हो रहे हैं। इस मामले में अब तक 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जीएसटी दरों में बड़ी कटौती की घोषणा, क्या सस्ता हुआ, क्या महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी परिषद ने जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने को मंजूरी दे दी है। अब सिर्फ दो जीएसटी स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रहेंगे। 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की टैक्स दरों को समाप्त कर दिया गया है। परिषद ने पाप और विलासिता की वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत टैक्स के नए स्लैब को मंजूरी दी है। 56वें जीएसटी परिषद के सभी फैसले 22 सितंबर से लागू होंगे।

बुधवार रात 56वें जीएसटी परिषद की बैठक खत्म होने के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आम आदमी और मध्यम वर्ग के उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी में पूरी तरह से कटौती की गई है। उन्होंने बताया कि किन-किन वस्तुओं पर जीएसटी दर को घटाया गया है और कौन सी वस्तुओं पर टैक्स बढ़ाया गया है।

उन्होंने कहा कि GST दरों की श्रेणी में 40% की विशेष दर का प्रावधान किया गया है। अब पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पाद पर जीएसटी दर 40% होगी।

सस्ती होंगी ये वस्तुएं

पर्सनल केयर क्रांतिः हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट पर अब 18% की बजाय 5% GST

रसोई की जरूरी चीजें सस्तीः मक्खन, घी, नमकीन, पास्ता पर 5% GST

नाश्ते की मेज पर राहतः कॉर्नफ्लेक्स, कॉफी, चॉकलेट पर अब 5% GST

साइकिल, टेबलवेयर, किचनवेयर 5% GST स्लैब में शामिल

जीरो टैक्स बोनान्जाः पनीर, इंडियन ब्रेड, यूएचटी दूध पर अब GST-मुक्त

नमकीन, भुजिया, मिक्सचर पर 12% से 5% GST

सॉस, इंस्टेंट नूडल्स, प्रिजर्व्ड मीट पर GST में कटौती

टीवी, एसी, डिशवॉशर पर 35% जीएसटी कटौती

सभी टीवी अब 18% पर लगेगा

एयर कंडीशनर पर जीएसटी 28% से घटकर 18% हुआ

1200 सीसी पेट्रोल/1500 सीसी डीजल से कम क्षमता वाले वाहनों पर अब 18% जीएसटी

दोपहिया वाहनों को राहतः 350 सीसी से कम क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर 18% जीएसटी

सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावाः बसों, ट्रकों, एम्बुलेंस पर 35% कर कटौती

कौन सी वस्तुएं महंगी होंगी

लग्जरी ऑटोमोबाइल (नया 40% स्लैब)

महंगी कारों पर अब 40% GST

मोटरसाइकिलः 350cc से ज्यादा की बाइक्स 40% टैक्स क्लब में शामिल

अशुद्ध वस्तुएं और तंबाकू (28% से 40%)

सिगरेट, तंबाकू उत्पादों पर 43% टैक्स वृद्धि

गुटखा, तंबाकू उत्पादों पर 40% GST

कार्बोनेटेड पेय और मीठे पेय पदार्थों पर 40% GST

कार्बोनेटेड पेय पदार्थों की कीमतों में 43% की बढ़ोतरी

2,500 रुपये से अधिक कीमत वाले सूती रजाई पर 18% जीएसटी

2,500 रुपये से अधिक कीमत वाले जूते पर 18% जीएसटी

निजी विमान, हेलीकॉप्टर, नौकाओं पर 40% जीएसटी

आईपीएल मैच के लिए एंट्री टिकट पर 40% जीएसटी

सट्टेबाजी, कैसीनो, जुआ, घुड़दौड़, लॉटरी और ऑनलाइन मनी गेमिंग सहित सभी निर्दिष्ट कार्रवाई योग्य दावों पर 40% की जीएसटी दर लागू होगी। आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश पर 40% जीएसटी लगेगा, हालांकि, मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों में प्रवेश पर यह 40% की दर लागू नहीं होगी।

> क्या कांग्रेस पार्टी तंबाकू और गुटखे पर पांच प्रतिशत कर की मांग कर रही है? कांग्रेस पार्टी चाहती है कि हम इसे पांच प्रतिशत पर दें। कांग्रेस पार्टी अपने समय में जीएसटी को लागू करना असंभव मानती थी। हमने पीएम मोदी के नेतृत्व में दूसरी पीढ़ी के सुधार लागू किए हैं।
> - निर्मला सीतारमण

चिदंबरम ने जीएसटी सुधारों को सराहा, कहा- गलती सुधारने में लगे 8 साल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने गुरुवार को मदुरै एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्र सरकार के हालिया जीएसटी दरों में बदलाव पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि उसे अपनी गलती स्वीकार करने में आठ साल का समय लग गया। चिदंबरम ने कहा कि हम जीएसटी में बदलाव का स्वागत करते हैं, लेकिन सरकार ने आठ साल बाद अपनी गलती को समझा है। जब 1 जुलाई 2017 को यह कानून लागू हुआ था, तभी हमने कहा था कि यह गलती है और इतने तरह-तरह के टैक्स स्लैब नहीं होने चाहिए। मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमणियन ने भी यह सलाह दी थी, लेकिन वित्त मंत्रियों और अन्य नेताओं ने उस समय किसी की बात नहीं सुनी। हमने संसद में भी कई बार इस मुद्दे को उठाया था। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि कई नेताओं और अर्थशास्त्रियों ने बार-बार इन गलतियों को सुधारने की मांग की थी। अब कम से कम सरकार ने यह मान लिया और सुधार किया, इसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं। बीते आठ सालों तक मध्यम वर्ग और गरीबों पर बोझ डाला गया। अब जाकर 12 फीसदी और 18 फीसदी दर को घटाकर 5 फीसदी किया गया है। इतने सालों तक यही लोग 18 फीसदी टैक्स देते रहे। अगर आज यह दर सही है, तो क्या यह पिछले साल या उससे पहले सही नहीं थी?

भारत-सिंगापुर के बीच कई समझौतों पर लगी मुहर, बोले पीएम मोदी- आतंकवाद के संबंध में हमारी चिंताएं एक जैसी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और सिंगापुर के बीच साझेदारी को परस्पर हितों, शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण से प्रेरित बताते हुए इसे विभिन्न क्षेत्रों में और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए एक व्यापक रोड मैप तैयार किया है। दोनों देशों ने परस्पर सहयोग को पारंपरिक क्षेत्र से आगे जाकर कई अन्य क्षेत्रों तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

मोदी ने भारत यात्रा पर आए सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वांग के साथ वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री वांग की यात्रा और भी विशेष है, क्योंकि इस वर्ष हम अपने संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष उनकी सिंगापुर यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था।

PM मोदी ने कहा कि इस एक वर्ष में दोनों देशों के बीच संवाद और सहयोग में गति और गहराई आयी है। उन्होंने कहा, "आज, साउथ ईस्ट एशिया क्षेत्र में, सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। सिंगापुर से भारत में बड़े स्तर पर निवेश हुआ है। आज हमने अपनी पार्टनरशिप के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा। बदलते समय के अनुरूप, उन्नत विनिर्माण, ग्रीन शिपिंग, कौशल विकास, सिविल न्यूक्लियर और शहरी जल प्रबंधन जैसे क्षेत्र भी हमारे सहयोग के केंद्र बिंदु बनेंगे।

PM मोदी ने कहा कि भारत आसियान के साथ सहयोग और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को लेकर दोनों देशों की समान चिंताएं हैं। उन्होंने कहा, " हम मानते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से लड़ना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से निर्देशित है और शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है। दोनों प्रधानमंत्री की वार्ता के बाद दोनों देशों ने विमानन अंतरिक्ष और कौशल विकास के क्षेत्र में तीन समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए।

> "इस एक वर्ष में दोनों देशों के बीच संवाद और सहयोग में गति और गहराई आयी है। उन्होंने कहा, "आज, साउथ ईस्ट एशिया क्षेत्र में, सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। सिंगापुर से भारत में बड़े स्तर पर निवेश हुआ है। आज हमने अपनी पार्टनरशिप के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है।"

आतंकवाद के संबंध में हमारी चिंताएं समान- मोदी

पीएम मोदी ने मीडिया को दिए अपने बयान में कहा, ''आतंकवाद के संबंध में हमारी चिंताएं समान हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से लड़ना उन सभी देशों का कर्तव्य है जो मानवता में विश्वास रखते हैं।'' मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी साझा मूल्यों पर आधारित है और यह आपसी हितों तथा शांति एवं समृद्धि के लिए साझा दृष्टिकोण से निर्देशित है। वहीं, वोंग ने कहा कि अनिश्चितता और अशांति से भरी दुनिया में भारत तथा सिंगापुर के बीच साझेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

बाढ़ और अवैध पेड़ कटाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उत्तर भारत के कई राज्यों में आई बाढ़ और भूस्खलन पर गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए चार राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने की बात कही।

सुप्रीम कोर्ट ने जिन चार राज्यों को नोटिस जारी किया, उसमें पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं।

कोर्ट ने इन राज्यों की सरकारों को नोटिस जारी कर उनसे दो हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई की गई है और यही हालिया आपदा का एक बड़ा कारण हो सकता है।

अदालत ने मीडिया रिपोर्टों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि हमने हिमाचल प्रदेश के दृश्य देखे, जहां बड़ी संख्या में लकड़ी के ग_र बाढ़ में बहते हुए नजर आए। यह अनियंत्रित पेड़ कटाई का संकेत है। वहीं, पंजाब में खेत और गांव तबाह हो गए हैं। विकास जरूरी है, लेकिन वह संतुलित होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी मामले की गंभीरता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमने प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ की है कि अब प्रकृति हमें उसका जवाब दे रही है। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे पर वे पर्यावरण मंत्रालय के सचिव से बात करेंगे और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से भी संवाद स्थापित करेंगे।

दिल्ली में बाढ़ ने मचाई तबाही, यमुना नदी का जलस्तर 207 मीटर के पार, निचले इलाकों में घुसा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। गुरुवार सुबह 7 बजे पुराने रेलवे ब्रिज पर 207.48 मीटर दर्ज किया गया। नदी के उफान के कारण दिल्ली के कई निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सुबह 6 बजे से 7 बजे तक जलस्तर 207.48 मीटर पर स्थिर रहा। अधिकारियों ने बताया कि सुबह 5 बजे यह 207.47 मीटर था और रात 2 बजे से सुबह 5 बजे तक यह इसी स्तर पर बना रहा।

बाढ़ का पानी दिल्ली सचिवालय की ओर बढ़ गया, जहां मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों और वरिष्ठ नौकरशाहों के कार्यालय स्थित हैं। इसके अलावा, वासुदेव घाट के आसपास के क्षेत्र भी पानी में डूब गए हैं। यमुना के बढ़ते जलस्तर ने यमुना बाजार, गीता कॉलोनी, मजनू का टीला, कश्मीरी गेट, गढ़ी मांडू और मयूर विहार जैसे इलाकों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जहां आवासीय और व्यावसायिक इमारतें स्थित हैं।

अधिकारियों के अनुसार, अब तक 14,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। राहत और बचाव कार्य जारी हैं। प्रभावित लोगों के लिए आईटीओ, मयूर विहार और गीता कॉलोनी में राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। राजस्व विभाग के अनुसार, 8,018 लोगों को तंबुओं में और 2,030 लोगों को 13 स्थायी आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया गया है।

बाढ़ का पानी दिल्ली के सबसे पुराने और व्यस्त निगमबोध घाट में भी घुस गया है, जिससे वहां अंतिम संस्कार की प्रक्रिया बाधित होने की आशंका बढ़ गई है। कश्मीरी गेट के पास श्री मरघट वाले हनुमान बाबा मंदिर तक भी पानी पहुंच गया है।

बुधवार शाम को जारी बाढ़ नियंत्रण बुलेटिन में कहा गया है कि गुरुवार सुबह 8 बजे पुराने रेलवे ब्रिज पर जलस्तर 207.48 मीटर रहेगा, लेकिन इसके बाद नदी के जलस्तर में कमी आने की संभावना है। पुराने रेलवे ब्रिज यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम का आकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण निगरानी बिंदु बना हुआ है।

भारत ने 2025 में अब तक जोड़ी 30 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता: प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 2025 में अब तक 30 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है और इस साल अंत तक यह 43 गीगावाट तक बढ़ने का अनुमान है। यह जानकारी केंद्रीय न्यू एवं रिन्यूएबल एनर्जी मंत्री प्रल्हाद जोशी की ओर से दी गई। एक कार्यक्रम में बोलते हुए जोशी ने बताया कि देश में जनवरी से जून के बीच लगभग 22 गीगावाट सौर और पवन ऊर्जा स्थापित की गई और अब यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 30 गीगावाट हो गया है। उन्होंने कहा, हम इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक 39 गीगावाट से 43 गीगावाट की नई क्षमता हासिल करने के प्रति आशावादी हैं।

सरकार को उम्मीद है कि इस विकास दर के साथ वह 2030 तक 500 गीगावाट स्थापित रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता के अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी। भारत में वर्तमान में 226 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 67.08 गीगावाट की परियोजनाओं के लिए टेंडर्स आमंत्रित की जा चुकी हैं और कुल 186.3 गीगावाट की परियोजनाएं वर्तमान में क्रियान्वित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा, पहले से चालू क्षमता को मिलाकर, यह क्षमता लगभग 499 गीगावाट हो जाती है।

सरकार बिजली बिक्री समझौतों (पीएसए) पर हस्ताक्षर करने में हो रही देरी से निपट रही है और इस क्षेत्र को और मजबूत बनाने के लिए दक्षता बढ़ाने हेतु मौसम पूर्वानुमान प्रणालियों को बेहतर बना रही है।

जोशी ने आगे कहा कि ऊर्जा मंत्रालय ने 2030 तक 500 गीगावाट क्षमता के एकीकरण को सुगम बनाने के लिए एक बड़ी ट्रांसमिशन योजना बनाई है, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी वाले राज्यों पर विशेष जोर दिया गया है। एचएसबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के बिजली क्षेत्र में जुलाई में मजबूत नीतिगत प्रोत्साहनों के कारण क्षमता में वृद्धि देखी गई, जिससे 2 गीगावाट पारंपरिक और 3.2 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता में वृद्धि हुई। रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 26 में 11.7 गीगावाट ताप विद्युत, 3.8 गीगावाट जल विद्युत और 36 गीगावाट सौर ऊर्जा को सर्विस में लगाया जाएगा। कुल बिजली की मांग अगस्त में सालाना आधार पर 4.4 प्रतिशत और जुलाई से 2 प्रतिशत बढ़ी है।

प्राकृतिक आपदाओं पर मायावती की प्रतिक्रिया, केंद्र और राज्य सरकारों से मानवीय रुख अपनाने की अपील

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देश के कई हिस्सों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से उत्पन्न हालात पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इन आपदाओं के कारण पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, असम सहित कई राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में जान-माल और पशुधन की भारी क्षति हो रही है। साथ ही गुरुग्राम और नोएडा जैसे शहरी इलाकों में जलभराव की समस्या ने करोड़ों लोगों की जिंदगी को प्रभावित किया है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इन कठिन हालातों में जनता को भारी परेशानियों और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद के लिए आम लोगों की तरफ से स्वयं आगे आने की खबरें और तस्वीरें संतोषजनक हैं और यह मानवता की भावना को दर्शाता है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि वे इस आपदा के समय अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएं और पीड़ितों की हर संभव सहायता करें। मायावती ने कहा कि सरकारों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए तत्काल राहत पहुंचाने के लिए कदम उठाने चाहिए। इसके साथ ही बसपा सुप्रीमो मायावती ने सुझाव दिया कि भविष्य में इस तरह की आपदाओं से निपटने के लिए बुनियादी जनसुविधाओं और ढांचे पर लगातार ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि हर साल आम जनजीवन, खासकर किसानों, गरीबों, मजदूरों और मेहनतकश लोगों की रोजी-रोटी पर इस तरह का विपरीत असर न पड़े। गौरतलब है कि इस बार मानसून में पहाड़ों से लेकर मैदानी क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है।

सत्संगी डबल मर्डर केस: 'मास्क मैन' ने मूसली से वारकर दंपति को मारा...भागते वक्त छत से कूदा तो टूट गई थी रीढ़ की हड्डी; 6 साल बाद कातिल को उम्रकैद

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के बहुचर्चित सत्संगी दंपति हत्याकांड में छह साल बाद अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी अनुराग भागवानी उर्फ अन्नू को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा उस पर 1.170 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न देने पर उसे एक साल और जेल में रहना होगा।

अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-7 तबरेज अहमद ने फैसला सुनाते समय कहा कि अभियोजन पक्ष ने ठोस सबूत पेश किए हैं। सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक जांच ने आरोपी की संलिप्तता साबित की।

2019 में हुई थी दंपति की हत्या

दरअसल, 24 जुलाई 2019 का मामला है। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के गुलमोहर पार्क कॉलोनी में रहने वाले नीरज सत्संगी और उनकी पत्नी रूपा सत्संगी अपने घर पर मौजूद थे। रात के समय आरोपी अनुराग भागवानी चोरी की नीयत से उनके घर में घुसा। लोहे के मूसल से वारकर दंपति की हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद भागने के दौरान अनुराग छत से कूद गया। इसी दौरान उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई।

रूपा सत्संगी उस समय सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल ऑफिस में सहायक प्रबंधक थीं और 31 जुलाई को रिटायर होने वाली थीं। पति नीरज बीमार रहते थे और घर पर ही रहते थे। जब दोनों ने चोरी का विरोध किया तो उनकी हत्या कर दी। अगले दिन पड़ोसी ने उनके बेटे जतिन सत्संगी को फोन कर जानकारी दी। जतिन उस समय गुरुग्राम में नौकरी करते थे। जब तक वे बरेली पहुंचे, तब तक माता-पिता की मौत हो चुकी थी।

पुलिस जांच और आरोपी की गिरफ्तारी

हत्या के बाद आरोपी अनुराग भागवानी घर की दूसरी मंजिल से कूदकर भागा। इसी दौरान उसका चेहरा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। वह टोपी और मास्क पहनकर आया था। लेकिन उसकी चाल-ढाल और हरकतें कैमरे में साफ दिख गईं। पुलिस ने जांच के दौरान मौके से एक चप्पल और आरोपी का छोड़ा हुआ बैग भी बरामद किया। बाद में आरोपी की निशानदेही पर लूटा गया सामान भी पुलिस ने बरामद किया।

पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। इंस्पेक्टर बलबीर सिंह ने पूरे मामले की गहन जांच की और सबूत इकट्ठे कर आरोपी को जेल भेजा। फॉरेंसिक रिपोर्ट, फिंगरप्रिंट जांच और सीसीटीवी फुटेज ने आरोपी की भूमिका पुख्ता कर दी।

कोर्ट में पेश हुए 14 गवाह और 90 से ज्यादा सबूत

छह साल तक चली इस सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने 14 गवाहों को पेश किया और 90 से ज्यादा साक्ष्य अदालत के सामने रखे। सरकारी अधिवक्ता राजेश्वरी गंगवार ने बताया कि अगर सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक रिपोर्ट न होती तो आरोपी को दोषी साबित करना कठिन हो सकता था। दूसरी ओर बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि अनुराग को केवल इसलिए फंसाया गया क्योंकि वह लंगड़ाकर चलता है। लेकिन अदालत ने इन दलीलों को खारिज कर दिया और कहा कि साक्ष्य आरोपी की संलिप्तता को साबित करने के लिए पर्याप्त हैं।

परिवार को मिला न्याय, पुलिस की मेहनत सफल

कोर्ट के फैसले के बाद सत्संगी परिवार को इंसाफ मिला है। बेटे जतिन सत्संगी ने कहा कि माता-पिता को खोने का दर्द कभी कम नहीं होगा, लेकिन अदालत का फैसला उनके लिए सुकून देने वाला है। इस केस में इंस्पेक्टर बलबीर सिंह की मेहनत और ठोस जांच ने अहम भूमिका निभाई। उनकी टीम ने सबूत जुटाकर मजबूत चार्जशीट कोर्ट में पेश की, जिसके आधार पर आरोपी को सजा मिली।

वहीं सत्संगी दंपती हत्याकांड ने 2019 में पूरे शहर को हिला दिया था। लोग कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे थे। अब छह साल बाद अदालत का फैसला यह संदेश देता है कि अपराधी कितना भी चालाक क्यों न हो, कानून के जाल से नहीं बच सकता। आरोपी अनुराग भागवानी उर्फ अन्नू को उम्रकैद और जुर्माने की सजा सुनाकर अदालत ने परिवार को न्याय दिलाया है।

खाद्य सुरक्षा अभियान के तहत 45 किलो मिष्ठान किये गये नष्ट

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। त्योहारों से पहले डीएम कुमार हर्ष के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले की पांच तहसीलों में मिठाई और डेयरी उत्पादों की दुकानों की जांच की गई।

एसडीएम सदर बिपिन द्विवेदी ने तहसील सदर में तीन दुकानों से पांच नमूने लिए गए। इनमें आजाद मिल्क, रॉयलिस्टो फूड प्रोडक्ट और वर्धन एग्रो एंड लाइफ स्टॉक शामिल हैं। लम्भुआ तहसील में राज लक्ष्मी, आजीविका और आराधना स्वीट्स से पांच नमूने लिए गए। बल्दीराय तहसील में राशि स्वीट्स हाउस, संतोष कुमार और सामर्थ दूध डेयरी से चार नमूने एकत्र किए गए। कादीपुर तहसील में एम. के. बेकर्स, क्षत्रिय स्वीट्स, बंगाली स्वीट्स और मधुर स्वीट्स हाउस से चार नमूने लिए गए। जयसिंहपुर तहसील में तुलसीराम स्वीट्स और सिमरन स्वीट्स से तीन नमूने लिए गए। सभी नमूने जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजे गए हैं। विशेष कार्रवाई में क्षत्रिय स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट से 30 किलो छेना, 10 किलो लड्डू और 5 किलो बर्फी को नष्ट किया गया। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत की गई। बल्दीराय तहसील में राशि स्वीट्स हाउस, संतोष कुमार और सामर्थ दूध डेयरी से चार नमूने एकत्र किए गए। कादीपुर तहसील में एम. के. बेकर्स, क्षत्रिय स्वीट्स, बंगाली स्वीट्स और मधुर स्वीट्स हाउस से चार नमूने लिए गए। जयसिंहपुर तहसील में तुलसीराम स्वीट्स और सिमरन स्वीट्स से तीन नमूने लिए गए। सभी नमूने जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

एबीवीपी ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। रामस्वरूप विश्वविद्यालय में विधि विद्यार्थियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र मजिस्ट्रेट को सौंपा। एबीवीपी ने लाठीचार्ज में शामिल पुलिसकर्मियों और बाहरी गुंडों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। संगठन ने लाठीचार्ज के आदेश की जानकारी सार्वजनिक करने की भी मांग की है। विश्वविद्यालय प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इनमें बिना नवीनीकरण और अनुमति के विधि पाठ्यक्रम का संचालन, विलंब शुल्क के नाम पर अतिरिक्त धनराशि की वसूली और दो छात्रों का अवैध निष्कासन शामिल है। पत्र में कहा गया कि राजस्व विभाग की जांच में पाया गया कि विश्वविद्यालय ने लगभग 6 बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है। तहसीलदार कोर्ट ने 25 अगस्त को विश्वविद्यालय प्रबंधन पर 27.96 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने 15 दिन में जुर्माना अदा कर अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया है। एबीवीपी ने इन सभी मुद्दों पर 48 घंटे के भीतर कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि कार्रवाई न होने पर प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

बागपत में दिल्ली–सहारनपुर हाईवे पर हत्या, बाइक सवार युवक को कार से टक्कर मारी, फिर गोलियों से भूना

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। बागपत जनपद में दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे गुरुवार दोपहर गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। कार सवार बदमाशों ने पहले एक बाइक सवार युवक को अपनी गाड़ी से टक्कर मारी, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। मौके पर ही युवक ने दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर कार में सवार होकर तेजी से बागपत की ओर भाग निकले और रास्ते में दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की। वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

सूचना पाकर पुलिस अधिकारी और फोर्स घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक की बाइक नंबर के आधार पर उसकी पहचान करने का प्रयास शुरू कर दिया है। बताया गया कि युवक को तीन गोलियां लगी हैं।

फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि कार और आरोपियों के बारे में सुराग जुटाया जा सके। साथ ही, हाईवे पर चेकिंग बढ़ा दी गई है और बदमाशों की तलाश में टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल की बारीकी से जांच की जा रही है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि कार और आरोपियों की पहचान की जा सके। इस वारदात से हाईवे पर अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

साहू चौपाल के जिलाध्यक्ष लाल चंद्र गुप्ता एवं सचिव अमर चंद्र साहू बने

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। साहू तैलिक एकता एवं विकास समिति "साहू चौपाल" के जिलाध्यक्ष लाल चंद्र गुप्ता एवं जिला सचिव अमर चंद्र साहू बनाये गए। राष्ट्रीय कैबनेट की सहमति के बाद पदाधिकारी की घोषणा की गयी।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडबोकेट रामचंद्र गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि सुलतानपुर जिले मे पिछले दिनों हुई बैठक मे सबकी सहमति ली गयी। उसके पश्चात राष्ट्रीय कमेटी के अनुमोदन के बाद गुरुवार को कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की गयी। संगठन के सभी पदाधिकारियो से उम्मीद है कि नियमो के तहत समाज और संगठन को और मजबूत करने मे सभी का सहयोग रहेगा। समाज की सेवा मे सबका सहयोग मिलेगा। श्री गुप्ता ने बताया कि जिलाध्यक्ष लाल चंद्र गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवधेश कुमार साहू, उपाध्यक्ष शिव प्रसाद साहू, गंगा सागर साहू, जिला महामंत्री मदन चन्द्र साहू, जिला सचिव अमर चन्द्र साहू, जिला मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता हरीराम साहू, जिला सदस्य श्रीकृष्णा साहू, बजरंगी साहू, छोटे लाल साहू आदि बनाये गए।

नई कमेटी के गठन पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामेश्वर प्रसाद साहू, उत्तर प्रदेश के प्रदेश संयोजक एवं राष्ट्रपति द्वारा सराहनीय सेवा के लिए पदक से सम्मानित अजीत गुप्ता, उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रभारी दयाशंकर साहू, राष्ट्रीय सचिव राम सरन साहू राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य हौसिला प्रसाद साहू आदि ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी है।

रामनगरी में कई स्थानों पर आसमान में दिखे ड्रोन, ग्रामीणों में दहशत ; पुलिस छानबीन में जुटी

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। यूपी के अयोध्या में बुधवार की रात मिल्कीपुर क्षेत्र के कई स्थानों पर आसमान में लोगों ने ड्रोन देखा। ड्रोन देखने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहा। दहशत में ग्रामीण देर रात तक जागते रहे। साथ ही इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। लेकिन, ड्रोन के संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी।

बताया गया कि इनायत नगर के रेवना, मिल्कीपुर बाजार, खंडासा के कलुवामऊ, कोटिया, घटौली, नागीपुर, जयराजपुर, मिचकुरही, जगन्नाथपुर और तिंदौली गांव में आसमान में ड्रोन जैसी चमकदार चीजें घूमती देखी गईं। ग्रामीणों ने इसकी फोटो खींची। वीडियो भी बनाया। ड्रोन देखकर पूरे इलाके में हलचल मच गई। लोग फोन करके एक-दूसरे को ड्रोन उड़ने की जानकारी देते रहे।

संदिग्ध गतिविधि मानकर दहशत बनी रही

काफी देर तक आसमान में घूमते रहे इन ड्रोन को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं और अफवाहें फैलने लगीं। किसी ने इसे सर्वे से जोड़ा तो किसी ने इसे संदिग्ध गतिविधि मानकर दहशत भी जताई। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर उत्सुकता और दहशत दोनों का माहौल बना हुआ है।

हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि उन्होंने भी आसमान में चमकती चीजों को देखा है। देखने में वे ड्रोन जैसे प्रतीत हो रहे थे। उन्होंने आशंका जताई कि यह किसी रूट सर्वे का हिस्सा हो सकता है।

बाईक एजेंसी पर जालसाजी का आरोप

सुलतानपुर। तहसील क्षेत्र बल्दीराय के ग्राम देवरा निवासी एक युवक ने बाइक एजेंसी पर गंभीर जालसाजी का आरोप लगाया है। पीड़ति युवक का कहना है कि उसने नकद भुगतान कर बाइक खरीदी थी, लेकिन आरसी बुक और अन्य कागजात किसी और के नाम पर जारी कर दिए गए। अब वह अपनी ही बाइक का सही कागजात पाने के लिए अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर है। पीड़ति अभिषेक तिवारी पुत्र जयसिंह नारायण तिवारी ने बताया कि उनके ससुर चतुर्भुज तिवारी ने 15 अप्रैल 2024 को हरिग्टंगंज, अयोध्या स्थित देव ऑटोमोबाइल्स से एक पल्सर बाइक (यूपी 42 बीएस 3681, 125 सीसी नियॉन) खरीदी थी। बाइक का पूरा एक लाख रुपये का भुगतान नकद किया गया था।एक माह बाद जब अभिषेक तिवारी कागजात लेने एजेंसी पहुँचे तो उन्हें बीमा और इंजन नंबर उनके नाम से दिखाया गया। लेकिन जब उन्होंने गहराई से पड़ताल की तो चौंकाने वाला तथ्य सामने आयाकृबाइक की आरसी बुक और अन्य प्रमुख कागजात अभिषेक यादव नामक व्यक्ति के नाम पर जारी किए गए थे।

युवक की गला रेत कर हत्या, आशनाई की आशंका

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिले के चांदा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत किंदीपुर बाजार में गुरुवार तड़के सनसनीखेज वारदात हुई। सुबह गांव से 300 मीटर दूर बाग में एक युवक का गला रेता हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 38 वर्षीय दलित युवक महेश पुत्र गंगादीन के रूप में हुई। शव देखते ही परिजन फफक पड़े। सूचना पर एएसपी अखंड प्रताप सिंह, सीओ लंभुआ अब्दुस सलाम और चांदा कोतवाली समेत चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में पत्नी के अवैध संबंध की आशंका सामने आई है। गांव में भी इसी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

किंदीपुर बाजार से सटे बाग में महेश का शव बरामद हुआ। धारदार हथियार से गला रेता गया था। पत्नी पूजा और मां कौशिल्या का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की बेटियां प्रिया (16), सुंदरी (8) और चार साल का बेटा समर पिता का साया उठ जाने से गहरे सदमे में हैं। महेश चार भाइयों में सबसे छोटा था। परिवार छप्परनुमा दो कमरों में रहता है। वह पहले लुधियाना में मजदूरी करता था, लेकिन इस साल की शुरुआत में गांव लौट आया और यहीं दिहाड़ी करने लगा। पत्नी पूजा ने पुलिस को बताया कि बुधवार शाम करीब 6:30 बजे महेश घर से निकले थे। उन्होंने कहा था कि "मुर्गा लेने जा रहे हैं।" इस पर पूजा ने मछली लाने की बात कही। इसके बाद वे वापस नहीं लौटे। पूजा के मुताबिक घर में पैसे न होने से मोबाइल रिचार्ज भी नहीं कराया था। रात में काफी तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह बड़ी बेटी और भाभी ने बाग में जाकर शव देखा। मृतक के चचेरे भाई हरिकेश ने बताया कि महेश शराब पीता था। वहीं गांव में यह चर्चा है कि पत्नी पूजा के किसी व्यक्ति से अवैध संबंध थे और इसी कारण महेश की हत्या की गई। इस शक को इसलिए भी बल मिला कि महेश रात में गायब हुआ, लेकिन न तो परिजनों ने थाने में सूचना दी और न ही डायल 112 पर कॉल किया। घटना की जानकारी मिलने पर भीम आर्मी की टीम भी मौके पर पहुंची। जिलाध्यक्ष सुनील आजाद ने बताया कि बच्चों के भरण-पोषण को लेकर प्रशासन से मांग की गई है। अधिकारियों ने इसके लिए परिजनों से लिखित मांग पत्र देने को कहा है। एएसपी अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की चार टीमें बनाई गई हैं और जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, हत्या अवैध संबंध के विवाद में हुई है। पुलिस ने संदिग्ध आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि महेश के घर से निकलते ही पत्नी ने अपने प्रेमी को सूचना दी थी।

झांसी का अनोखा थाना, एफआईआर तो होगी, पर जेल कभी नहीं... सजा सुनकर चौंक जाएंगे आप

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। जरा सोचिए... थाना भी हो, पुलिस भी तैनात हो, एफआईआर भी लिखी जाए। लेकिन न तो उस व्यक्ति को हथकड़ी लगाई और न ही सलाखों के पीछे भेजा जाए। सुनने में यह किसी फिल्मी कहानी जैसा जरूर लगता है, लेकिन यह हकीकत है। झांसी में मौजूद विद्युत थाना आजकल चर्चा का विषय बना हुआ है। कारण है कि यहां अपराधी को जेल नहीं भेजा जाता। बल्कि उसे सजा के रूप में बस जुर्माना ही लगाया जाता है।

इस थाने में बस बिजली चोरी की FIR दर्ज होती है। आरोपी भी पकड़े जाते हैं, लेकिन पुलिस के हाथों में हथकड़ी की जगह होता है जुर्माने का पर्चा। यानी यहां सलाखों में नहीं डाला जाता। बल्कि सीधा जेब ढीली करनी पड़ती है। यानि FIR तो होगी लेकिन किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी

कभी नहीं। विद्युत थाना झांसी के प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद इमरान ने जानकारी देते हुए बताया कि यहां बिजली चोरी में पकड़े गए उपभोक्ताओं पर मुकदमा जरूर दर्ज होता है। मगर गिरफ्तार कोई नहीं होता। विद्युत चोरी में पकड़े गए व्यक्ति को पहले कंपाउंडिंग का पूरा मौका दिया जाता है। अगर शमन शुल्क यानी जुर्माना भर दिया तो केस वहीं खत्म। लेकिन अगर जेब से रुपये न निकलें तो फिर अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ता है, क्योंकि सीधी चार्जशीट दाखिल कर दी जाती है।

यह अनोखा थाना सिर्फ झांसी तक सीमित नहीं है, विद्युत विभाग ने हर जिले में ऐसे थाने बनाए हैं। फर्क बस इतना है कि यह थाने सामान्य सिविल थानों से अलग तरीके से काम करते हैं। यहां सिविल पुलिस ही तैनात रहती है, लेकिन कामकाज पूरा अलग अंदाज में होता है।

जेब ढीली करके हिसाब बराबर करना

बिजली चोरी की सूचना मिलते ही यह पुलिस टीम विभागीय अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचती है और छापेमारी करती है। विरोध या हंगामे की स्थिति में पुलिस बल सुरक्षा देता है और तुरंत केस दर्ज कर लिया जाता है। लेकिन गिरफ्तारी का नाम तक नहीं लिया जाता, क्योंकि इस थाने का मकसद अपराधियों को सलाखों के पीछे डालना नहीं, बल्कि जेब ढीली करके हिसाब बराबर कराना है।

लोग भी दंग रह जाते हैं नियम को सुनकर

आप भी यह जान कर हैरान हो जाएंगे कि, जिस थाने में न बंदीगृह है, न हथकड़ी, न थर्ड डिग्री तो वहां आरोपी जाने से क्यों डरेंगे? मगर यहां डर सलाखों का नहीं, जेब के खाली होने का है। यही वजह है कि लोग इस थाने के कामकाज को सुनकर हैरान रह जाते हैं। झांसी के इस थाने ने साफ कर दिया है- चोरी की है बिजली तो सलाखें नहीं, जेब से ही हिसाब देना होगा।

आम थानों से बिल्कुल अलग है ये थाना

विद्युत थाना झांसी के प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद इमरान कहते हैं कि यह थाना आम थानों से बिल्कुल अलग है। यहां का सिस्टम साफ है- बिजली चोरी पकड़े गए तो पहले जुर्माना भरो, वरना सीधी चार्जशीट। इस थाने में न तो हथकड़ी पड़ती है, न ही थर्ड डिग्री दी जाती है। और सबसे खास बात ये कि यह व्यवस्था पूरे प्रदेश में लागू है। यानी हर जिले में बिजली चोरी रोकने के लिए एक ऐसा थाना काम कर रहा है, जहां कानून सलाखों से नहीं, बल्कि जेब से कसता है।

लखनऊ पटाखा फैक्टरी विस्फोट

एक और घायल युवक की गई जान, अब तक तीन मौतें, आरोपियों की तलाश में दबिश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बेहटा गांव में विस्फोट में घायल हुए इरशाद 24 की बृहस्पतिवार दोपहर इलाज के दौरान केजीएमयू में मौत हो गई। शुक्रवार को उनके शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। वहीं घायल नदीम की हालत भी बेहद नाजुक बताई गई है। इरशाद हादसे में मारे गए आलम का बेटा था। आलम व उनकी पत्नी मुन्नी की विस्फोट के दौरान घर में ही मौत हो गई थी। इरशाद के अलावा उनका पड़ोसी नदीम भी गंभीर रूप से घायल हो गया था। दोनों का इलाज केजीएमयू के सर्जरी विभाग में चल रहा था। बृहस्पतिवार दोपहर इरशाद ने दम तोड़ दिया। इरशाद विस्फोट में 95 प्रतिशत तक झुलस गए थे। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद

उनका बेहटा गांव में अंतिम संस्कार किया जाएगा। इरशाद के परिवार में अब तीन भाई दिशान, इरफान और इमरान बचे हैं। इरफान और इमरान दूसरे शहर में वेल्डिंग का काम करते हैं।

गुडंबा के बेहटा व सेमरा गांव में पटाखों के धमाकों के मामले में दर्ज दो केस के आरोपियों का पांच दिन गुजर जाने के बाद भी पुलिस पता नहीं लगा सकी है। आरोपी घर छोड़कर भागे हुए हैं और सभी के मोबाइल नंबर भी बंद हैं। लगातार पुलिस उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

बृहस्पतिवार को गुडंबा पुलिस ने बाराबंकी के फतेहपुर, सीतापुर और नगराम इलाके में आरोपियों के कुछ रिश्तेदारों के घर दबिश दी, पर वहां से भी कुछ पता नहीं चल सका। तीनों जगहों से पुलिस टीम खाली हाथ लौट आई। बुधवार देर रात गुडंबा पुलिस ने बेहटा गांव के कुछ घरों में दबिश दी थी। पुलिस को सूचना थी कि उक्त घरों में चोरी छुपे पटाखों का कारोबार होता है, पर वहां से कुछ भी नहीं मिला। दबिश टीम में लगे पुलिस सूत्र का कहना है कि नामजद आरोपियों व उनके परिजनों ने मोबाइल फोन बंद कर लिए हैं, ऐसे में उनकी सही लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है। एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगी हैं। उनके कुछ रिश्तेदारों से पूछताछ भी की जा रही है।

ये लोग हैं आरोपी

पहले केस में मृतक आलम, उसके भतीजे शेरू, शोएब और गांव के रहने वाले टीनू और उसके भाई अली अहमद के खिलाफ गैर इरादतन हत्या सहित अन्य धाराओं में दरोगा की तहरीर पर रविवार देर रात केस दर्ज किया गया था। इसके बाद इंस्पेक्टर इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेष कुमार श्रीवास्तव की तहरीर पर बेहटा गांव निवासी अली अहमद, याकूब, शेरू, नसीम, अफजल और अली अकबर के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम की धाराओं में एफआईआर की गई थी। आरोपियों के गोदाम से भारी मात्रा में अवैध पटाखों व बारूद मिला था।

शिक्षकों के सम्मान में वन विभाग लगाएगा 'एक पेड़ गुरु के नाम', 9 जुलाई को लगे थे 37 .21 करोड़ पौधे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। 36.21 करोड़ पौधरोपण महाभियान के बाद विशिष्ट वनों की स्थापना की कड़ी में शिक्षक दिवस पर "एक पेड़ गुरु के नाम" के तहत आयोजन होगा। विशिष्ट वनों का आगाज एकलव्य वन के साथ शुरू हुआ था। राजधानी लखनऊ में कुकरैल में वन विभाग के पूर्व व वर्तमान अधिकारी पौधरोपण करेंगे।

"एक पेड़ मां के नाम 2.0" थीम के अंतर्गत पौधरोपण महाभियान में पूरे प्रदेश में 9 जुलाई को 37.21 करोड़ पौधे रोपे गए थे। यह सरकार द्वारा तय 37 करोड़ से 21 लाख ज्यादा थे। लखनऊ के प्रभागीय वनाधिकारी सितांशु पांडेय ने बताया कि विशिष्ट वनों की श्रृंखला में शिक्षक दिवस पर लखनऊ के कुकरैल में स्मृति वाटिका में पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। यहां स्मृति चिह्न के रूप में पौधे भी भेंट किए जाएंगे। वहीं वाराणसी की प्रभागीय वनाधिकारी स्वाति श्रीवास्तव ने बताया कि आईआईटी (बीएचयू) में "एक पेड़ गुरु के नाम" के तहत पौधरोपण होगा।

पौधरोपण महाभियान-2025 के मिशन निदेशक दीपक कुमार ने बताया कि गुरु के सम्मान में 5 सितंबर को प्रदेश के सभी वन प्रभागों में "एक पेड़ गुरु के नाम" लगाया जाएगा। इस वर्ष विशिष्ट वन की श्रंखला में एकलव्य वन, ऑक्सी वन, शक्ति वन, त्रिवेणी वन, अटल वन, सहजन भंडारा,गोपाल वन, एकता वन,पवित्र धारा पौधरोपण, औद्योगिक इकाइयों द्वारा पौधरोपण, भाई-बहन पौधरोपण(रक्षाबंधन वाटिका), शौर्य/सिंदूर वन की स्थापना हो चुकी है।

लखनऊ में सनशाइन बाय लिसन ने 600 से अधिक बच्चों और किशोरों के विकास में किया योगदान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारत के प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म लिसन ने घोषणा की है कि उसका विशेष डिवीजन "सनशाइन बाय लिसन" लखनऊ में 600 से अधिक बच्चों और किशोरों के विकास और थेरेपी सेवाओं में सकारात्मक बदलाव ला चुका है। यह सेंटर स्पीच डिले, हाइपरएक्टिविटी, ध्यान और एकाग्रता की समस्याओं, सेंसरी इंटीग्रेशन चुनौतियाँ, मोटर स्किल डिले, लर्निंग डिसेबिलिटी और ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर जैसी समस्याओं में बच्चों की मदद कर रहा है।स्पीच थेरेपी और ऑक्यूपेशनल थेरेपी को सबसे ज़्यादा प्रतिक्रिया मिली है। इनसे बच्चों को बोलने की समस्या दूर करने, हाइपरएक्टिविटी नियंत्रित करने और ध्यान व सेंसरी स्किल्स मजबूत करने में मदद मिली है। यह सफलता शहर के स्कूलों जैसे श्री राम ग्लोबल स्कूल, किड्ज़ी प्रीस्कूल, फर्स्टक्राय इंटेलिटॉट्स, यूरोकिड्स और जीडी गोयनका टॉडलर्स के सहयोग तथा डॉक्टरों और पीडियाट्रिक स्पेशलिस्ट्स की साझेदारी से संभव हुई है।अभी लखनऊ में दो सनशाइन सेंटर संचालित हैं, जहाँ 15 प्रशिक्षित थेरेपिस्ट और प्रोफेशनल्स की टीम काम कर रही है। कंपनी का लक्ष्य 2025–26 तक इसे चार सेंटर तक बढ़ाना है।लिसन के को-फाउंडर तरुण गुप्ता ने कहा, "हम चाहते हैं कि हर बच्चे को सही माहौल और मार्गदर्शन मिले ताकि वह प्रगति कर सके। जब पेरेंट्स हमें बताते हैं कि उनके बच्चे बोलना सीख रहे हैं, ध्यान लगाने लगे हैं या समाज में आत्मविश्वास से घुल-मिल रहे हैं, तो यह हर परिवार और हमारी टीम की संयुक्त सफलता है।"

लखीमपुर खीरी में होगा दुधवा महोत्सव-2025, पर्यटन और वन्यजीव प्रेमियों के लिए अनोखा अनुभव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार पहली बार राज्य वन क्षेत्र में दुधवा महोत्सव-2025 आयोजित करने जा रही है। पर्यटन विभाग के अनुसार यह महोत्सव नवंबर माह में लखीमपुर खीरी स्थित दुधवा टाइगर रिजर्व में होगा। यह आयोजन आवासीय, सांस्कृतिक और वन्यजीव आधारित गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि महोत्सव में देश-विदेश से पर्यटक शामिल होंगे, जिससे प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। तीन दिवसीय कार्यक्रम में पर्यटक वन क्षेत्र की सुंदरता का आनंद लेने के साथ-साथ थारू जनजाति की संस्कृति, खानपान, हस्तशिल्प और जीवनशैली का अनुभव भी कर सकेंगे।मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि महोत्सव की थीम ईको-टूरिज्म, नेचर एंड कल्चर सेलिब्रेशन होगी।

जीएसटी काउंसिल के फैसलों से जनता को तुरंत राहत नहीं : अमरनाथ मिश्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। व्यापारी नेता अमरनाथ मिश्र ने जीएसटी काउंसिल के हालिया फैसलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ये फैसले देखने में भले ही उत्साहवर्धक लग रहे हों, लेकिन आम जनता को तत्काल कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। कई बिंदुओं पर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है, जिसके चलते व्यापारी वर्ग और उपभोक्ता दोनों असमंजस में हैं। मिश्र ने कहा कि मानव निर्मित धागों पर 5 प्रतिशत जीएसटी तय किया गया है, लेकिन इस पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) अनुमन्य नहीं है। वहीं एक्रेलिक और नाइलॉन धागों पर कर दर की स्थिति भी स्पष्ट नहीं है और माना जा रहा है कि इन पर 18 प्रतिशत कर लगाया गया है। ऐसे में निर्यातकों को लाभ मिलना मुश्किल है, खासकर तब जब अमेरिका ने पहले ही इन उत्पादों पर टैरिफ़ लगाया हुआ है। "यदि सभी तरह

के रेडीमेड कपड़ों पर केवल 5 प्रतिशत टैक्स होता तो निर्यातकों को सीधा फायदा होता," मिश्र ने कहा।बाजार की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि बिस्कुट कंपनियों ने पहले टैक्स के दबाव में पैकेट का वजन कम कर दिया था, अब टैक्स दर में कमी आने के बाद क्या वे उत्पाद की मात्रा बढ़ाएँगी, यह बड़ा सवाल है। इसी तरह जो स्टॉक व्यापारी 28 प्रतिशत की दर पर खरीद चुके हैं, उसका असर कीमतों पर तुरंत नहीं दिखेगा। आगे कीमतें घटेंगी या नहीं, यह पूरी तरह उत्पादकों पर निर्भर करेगा।

मिश्र ने स्पष्ट किया कि जब तक कच्चे माल और तैयार माल की कर दर समान नहीं होगी, उपभोक्ताओं को कोई लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि कटर पर कर घटा दिया गया है, लेकिन उसे बनाने वाले स्टील और प्लास्टिक पर अब भी 18 प्रतिशत जीएसटी लागू है। ऐसे में तैयार माल कैसे सस्ता होगा, यह समझ से परे है।155वें संशोधन पर सवाल उठाते हुए व्यापारी नेता ने कहा कि आखिर सरकार ने इसे क्यों किया, यह वही बेहतर बता सकती है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा—"कुल मिलाकर सब सिर खुजला रहे हैं कि आखिर सस्ता कैसे हो गया, राम जाने।"

उत्तर प्रदेश में मनरेगा श्रमिकों के बकाया भुगतान के लिए केंद्र से दूसरी किस्त जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए लगातार काम कर रही है और उनके पारिश्रमिक का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से मनरेगा श्रमिकों का समय से भुगतान कराना सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मनरेगा श्रमिकों के पारिश्रमिक के भुगतान हेतु उत्तर प्रदेश को केंद्र सरकार द्वारा दूसरी किस्त की धनराशि अवमुक्त की गई है। कुल 1,244.45 करोड़ रुपये अवमुक्त किए गए हैं, जिससे बकाया राशि का भुगतान अब सरल और शीघ्रतापूर्वक किया जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यह राशि तत्काल श्रमिकों के खाते में भेजी जाए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जारी यह धनराशि भी श्रमिकों की ओर से एक सकारात्मक कदम है और इससे योजना के लाभार्थियों को राहत मिलेगी।वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य में मनरेगा अंतर्गत कुल 11,980.80 करोड़ रुपये का व्यय हुआ था। इसमें सामग्री मद में 3,333.05 करोड़ रुपये, प्रशासनिक मद में 693.39 करोड़ रुपये और अकुशल मजदूरी मद में 7,954.36 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।आयुक्त, ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश, जी.एस. प्रियदर्शी ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा श्रमांश मद हेतु अवमुक्त की गई 1,244.45 करोड़ रुपये की राशि से मनरेगा श्रमिकों का बकाया भुगतान जल्द ही उनके खातों में पहुंच जाएगा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस आरटीआई विभाग के 5 वर्ष पूर्ण होने पर अभिनंदन समारोह आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जी एवं प्रदेश आरटीआई विभाग के चेयरमैन पुष्पेंद्र श्रीवास्तव जी के नेतृत्व में आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सूचना का अधिकार (आरटीआई) विभाग के 5 वर्ष पूर्ण होने पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।मुख्य अतिथि अजय राय ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस कठिन दौर में आपने सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने का कार्य किया है, जिसके लिए सभी सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जी देश के गरीब, दलित, युवा, महिला, छात्र एवं किसानों के हितों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं और पार्टी के सभी सदस्य उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हों।प्रदेश आरटीआई विभाग के चेयरमैन पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ने भी उपस्थित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि विभाग की सफलता उनके सहयोग का परिणाम है। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।श्रीवास्तव ने कहा कि आरटीआई कानून के माध्यम से मंडल स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं एवं सूचनाओं के माध्यम से सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करना सराहनीय कार्य है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी यह काम निरंतर जारी रहेगा और सभी मंडलों में कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी। उन्होंने भाजपा पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि देश और प्रदेश में उनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार का लेखा-जोखा भगवान चित्रगुप्त के पास पहुँच चुका है और जनता उन्हें आगामी समय में सबक सिखाएगी।कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्विजेंद्र त्रिपाठी, वीरेन्द्र मदान, बृजेन्द्र सिंह, विनोद मिश्रा, चंद्रशेखर मिश्रा, अंशु त्रिपाठी, डॉ. जियाराम वर्मा, अमित कुमार उठवाल, आशुतोष मिश्रा, विकास श्रीवास्तव सहित अन्य ने भी संबोधित किया।

बख्शी का तालाब में गौवंश संरक्षण केन्द्र का पशुधन मंत्री ने किया आकस्मिक निरीक्षण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने गुरूवार को बख्शी का तालाब स्थित महिजावां और इन्दारा के अस्थायी गौवंश संरक्षण केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया।मंत्री ने गौशालाओं का स्थलीय निरीक्षण करते हुए गोवंश के लिए उपलब्ध चारा, भूसा, चिकित्सा, औषधियाँ, प्रकाश और सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हरे चारे की कमी पाए जाने पर उन्होंने निरंतर पौष्टिक हरा चारा उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने गायों को धूप, गर्मी, बरसात और ठंड से बचाने के लिए टीन शेड की व्यवस्था दुरुस्त करने और खड़न्जा लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महिजावां में 226 और इन्दारा गोआश्रय स्थल में 162 गोवंश संरक्षित पाए गए।मंत्री ने गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए कहा कि गौजनित पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

बीबीएयू ने NIRF 2025 में रचा इतिहास, शिक्षा और शोध में नई पहचान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 में शानदार उपलब्धि हासिल कर राजधानी लखनऊ और उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष विश्वविद्यालय श्रेणी में 37वां स्थान प्राप्त किया है, जबकि ओवरऑल रैंकिंग में 69वें स्थान पर पहुँचकर अपनी राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत किया है।इस अवसर पर कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने सभी शिक्षकों, शोधार्थियों, प्रशासनिक कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयास का परिणाम है और बीबीएयू ने इस उपलब्धि के माध्यम से न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया है, बल्कि छात्रों और शोधार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा और लक्ष्य है कि बीबीएयू देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में शामिल हो।एनआईआरएफ भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष जारी की जाने वाली रैंकिंग है, जिसमें शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, अनुसंधान, अवसंरचना, नवाचार और प्रतिष्ठा जैसे मानकों पर मूल्यांकन किया जाता है। बीबीएयू की इस सफलता ने न केवल विद्यार्थियों और अभिभावकों का भरोसा और मजबूत किया है, बल्कि इसे देशभर के छात्रों की पहली पसंद भी बना दिया है।विशेष विषयों में भी बीबीएयू ने उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

संक्षेप

बारावफात के मदहसहाबा जुलूस के चलते लखनऊ में यातायात प्रतिबंध लागू

लखनऊ। चन्द्र दर्शन के अनुसार 5 सितम्बर 2025 को 12वीं रबी-उल-अव्वल (बारावफात) का पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर ''मदहसहाबा'' का जुलूस प्रातः 10 बजे झण्डे वाले पार्क, अमीनाबाद से प्रारम्भ होकर मौलवीगंज, गंगा प्रसार रोड, रकाबगंज चौराहा, नादान महल रोड, नक्खास तिराहा, बिल्लौचपुरा चौराहा, बाजारखाला चौराहा और हैदरगंज चौराहा से होते हुए ऐशबाग ईदगाह तक जाएगा।यातायात पुलिस, लखनऊ ने बताया कि जुलूस के दौरान शहर के कई मार्गों पर वाहनों का आवागमन प्रभावित रहेगा और आवश्यकतानुसार डायवर्जन लागू होंगे। कमला नेहरू क्रासिंग, नक्खास तिराहा, टुड़ियागंज तिराहा, हैदरगंज तिराहा, वाटर वर्क्स तिराहा, मेडिकल कॉलेज चौराहा, अमीनाबाद पोस्ट ऑफिस तिराहा, रकाबगंज पुल, कैसरबाग बस स्टैंड, नजीराबाद तिराहा, ऐशबाग पुल, बुलाकी अड्डा, मिल एरिया तिराहा, राजेन्द्र नगर चौराहा, नाका चौराहा और फूल मंडी के मार्गों पर वाहन निर्देशित वैकल्पिक मार्गों से ही अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि चिकित्सकीय आपात स्थिति, एम्बुलेंस, शव वाहन, स्कूली वाहन और फायर सर्विस वाहनों को विशेष अनुमति के तहत प्रतिबन्धित मार्गों से गुजरने की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए ट्रैफिक कंट्रोल नम्बर 9454505155 पर संपर्क किया जा सकता है।

लखनऊ में कौशल विकास मिशन की ओरिएंटेशन वर्कशॉप

लखनऊ। कौशल विकास मिशन मुख्यालय में चल रही ओरिएंटेशन वर्कशॉप के पांचवें दिन मिशन निदेशक श्री पुलकित खरे ने प्रशिक्षण प्रदाताओं को संबोधित किया। उन्होंने मिशन के मुख्य उद्देश्य ₹सबको हुनर, सबको काम₹ के तहत गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया।उन्होंने बताया कि अब सभी प्रशिक्षण बैचों का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। सामाजिक समावेशन को ध्यान में रखते हुए दिव्यांगजनों के लिए 5 प्रतिशत और महिलाओं के लिए न्यूनतम 33 प्रतिशत सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण प्रदाताओं को प्रत्येक जिले में शीर्ष 5 औद्योगिक सेक्टर्स के अनुसार लक्षित टारगेट दिए गए हैं।अपर मिशन निदेशक श्रीमती प्रिया सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को केवल प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि प्रतिष्ठित उद्योगों में रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। तकनीकी सत्र में आईटी सहायक प्रबंधक विजय नामदेव ने मिशन पोर्टल, मॉनिटरिंग एवं आधार-इनेबल्ड बायोमेट्रिक सिस्टम के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी।कार्यशाला के समापन पर प्रशिक्षण प्रदाताओं ने आगामी प्रशिक्षण सत्रों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अयोध्या में मतदाता सूची सुधार और चुनाव तैयारी की समीक्षा बैठ

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने अयोध्या जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता नामावलियों और निर्वाचन से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत मतदाता सूची एक माह के भीतर त्रुटि रहित बनाई जाए और एनजीएसपी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में फोटो मानक के अनुरूप हों, धुंधले या अस्पष्ट फोटो वाले मतदाताओं का फॉर्म-8 के माध्यम से सुधार किया जाए, दोहरी प्रविष्टियों को शुद्ध किया जाए और भवन संख्या सही अंकित की जाए। फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 का सत्यापन एक सप्ताह के भीतर किया जाए। उन्होंने महिला मतदाताओं, 18-19 वर्ष के युवा मतदाताओं, वयोवृद्ध और पीडब्ल्यूडी मतदाताओं का शतप्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।0* सितंबर को आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने प्रत्येक बूथ का भौतिक सत्यापन, बीएलओ एप पर प्रविष्टियों की सही दर्जीकरण और मतदेय स्थलों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान में विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब लखनऊ में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकारी और अर्धसरकारी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को अधिक दक्ष और सक्षम बनाना है।संस्थान महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू के संरक्षण और प्र. अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्गदर्शन में 1 से 6 सितंबर तक पांच विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए। इनमें वित्तीय प्रबंधन, ई-ऑफिस और डिजिटल पोर्टल्स, कृषि उत्पादक संगठन और महिला कृषक संघों का क्षमता संवर्धन, सहायक अनुभाग अधिकारियों के लिए क्षेत्र भ्रमण आधारित प्रशिक्षण तथा ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत नवचयनित डीआरपी-एमएफएफआई का प्री-विजनिंग शामिल रहा।बुधवार को तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समापन अवसर पर संस्थान के बुद्धा सभागार में प्रेरक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू ने की। कार्यक्रम में प्रख्यात शिक्षाविद एवं पूर्व सदस्य उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य और संयुक्त सचिव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग अर्जुन देव भारती विशेष अतिथि रहे।डॉ. शाक्य ने मिशन कर्मयोगी की अवधारणा, शासकीय व्यवस्था में चुनौतियों और जनप्रतिनिधियों व कार्मिकों के बीच समन्वय पर जोर दिया। वहीं अर्जुन देव भारती ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और विभिन्न सरकारी पोर्टल्स के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत जानकारी दी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में एल. वेंकटेश्वर लू ने श्रीमद्भागवत गीता का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों को कर्मयोग की भावना से कार्य करने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवीन कुमार सिन्हा ने किया।

लखनऊ में दिव्यांगजन सुरक्षा और संवेदनशीलता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ। राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, लखनऊ प्रो. हिमांशु शेखर झा द्वारा गुरुवार को दृष्टिबाधित छात्रों के छात्रावास, विद्याभवन, निशातगंज में क्रूरता, अमानवीय व्यवहार, दुर्व्यवहार, हिंसा और शोषण से सुरक्षा पर संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस विभाग के लगभग 150 अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग सुभाष चन्द्र शर्मा थे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजन की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना न केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी है बल्कि समाज का नैतिक दायित्व भी है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से किया गया।राज्य आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 की व्याख्या करते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की क्रूरता, दुर्व्यवहार, हिंसा या शोषण दंडनीय अपराध है।

उत्तर प्रदेश में मद्यनिषेध विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व की स्थिति और अवैध मदिरा के खिलाफ चल रही कार्रवाई की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अगस्त माह तक 22,337.62 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो गत वर्ष अगस्त माह की तुलना में 15.64 प्रतिशत अर्थात 3,021.41 करोड़ रुपये अधिक है। अगस्त 2025 में प्रदेश ने 3,754.43 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4.86 प्रतिशत अर्थात 174.24 करोड़ रुपये अधिक है। प्रदेश का अगस्त माह का लक्ष्य 23,400 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था।अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 01 अगस्त से 31 अगस्त, 2025 तक कुल 10,503 अभियोग दर्ज किए गए, और लगभग 2.69 लाख लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। इस दौरान 1,995 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 351 को जेल भेजा गया और अवैध मदिरा के परिवहन में संलिप्त 23 वाहन जब्त किए गए।इसके अतिरिक्त, 28 अगस्त से 6 सितंबर, 2025 तक चल रहे तीसरे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत 31 अगस्त तक प्रदेश में 1,587 अभियोग दर्ज किए गए। इस अभियान में 38,099 लीटर अवैध शराब बरामद हुई, 340 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 83 आरोपियों को जेल भेजा गया। अभियान के दौरान 3 वाहन जब्त किए गए।राज्यमंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और कानून के उल्लंघन करने वालों पर किसी भी प्रकार की सहनशीलता नहीं बरती जाएगी।

लखनऊ में हिन्दी संस्थान द्वारा स्मृति संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान ने आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, भगवती चरण वर्मा और अमृतलाल नागर की स्मृति में एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की। कार्यक्रम हिन्दी भवन के निराला सभागार में हुआ। दीप प्रज्वलन, माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।संगोष्ठी में डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, श्री गोपाल सिन्हा और डॉ. अनिल रस्तोगी उपस्थित रहे। डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक यात्रा और उनके निबंधों की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। श्री गोपाल सिन्हा ने भगवती चरण वर्मा की काव्य एवं गद्य रचनाओं की उपलब्धियों का उल्लेख किया। डॉ. अनिल रस्तोगी ने अमृतलाल नागर की साहित्यिक यात्रा, उपन्यासों और बाल साहित्य में योगदान को याद किया।कार्यक्रम में छात्र-प्रतिभागियों ने स्मृति लेखों, कविताओं और कथाओं का पाठ किया।

उमर खालिद को फिर नहीं मिली जमानत

2020 के दिल्ली दंगों में आरोपी बनाए गए उमर खालिद, शरज़ील इमाम, गुलफ़िशां फ़ातिमा, अतहर ख़ान, अब्दुल ख़ालिद सैफ़ी, मोहम्मद सलीम ख़ान, शिफ़ा-उर-रहमान, मीरान हैदर और शादाब अहमद की जमानत याचिका 2 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की बेंच ने यह फैसला लिया है। इन सब पर आरोप है कि ये सभी दिल्ली दंगे में किसी 'बड़ी साज़िश' का हिस्सा थे। अब ये साज़िश कौन सी थी, उसका सच क्या है। क्या वाकई इन्हीं लोगों ने दंगे भड़काए, जैसा कि दिल्ली पुलिस का आरोप है या असल गुनहगार कोई और है, ये सारे खुलासे तो तभी हो पाएंगे जब मुकदमा चलना शुरु होगा। आश्चर्य है कि पिछले पांच सालों से उमर खालिद जेल में बंद हैं, लेकिन उन पर अब तक कोई मुकदमा चलाया नहीं गया है, जहां सुनवाई हो तो आरोपी भी अपना पक्ष रखे, अपने बचाव में तर्क प्रस्तुत करे। पांच सालों में देश और दुनिया में कितना, कुछ बदल गया है। एआई का इस वक्त ऐसा बोलबाला हो गया है कि स्क्रीन पर दिखने वाली कोई घटना, कोई किरदार असली है या नकली इसका पता ही नहीं चलता। सच और झूठ के बीच हमेशा से एक अदृश्य महीन रेखा होती है, जिसे अनुभवी लोग परख लेते हैं। लेकिन एआई ने इन अनुभवों को भी चुनौती दी है। ऐसे में दिल्ली दंगों का सच भी क्या पूरी तरह कभी सामने आ पाएगा, इसमें संदेह है। और जितना ज्यादा वक्त गुजरता जाएगा, सच पर झूठ की परतें चढ़ाना आसान हो जाएगा। इसलिए बेहतर तो यही होता कि इस मामले में मुकदमा चलना शुरु हो जाता।

दिल्ली दंगों में ही एक और आरोपी तस्लीम अहमद की ज़मानत याचिका भी मंगलवार को खारिज हुई है, जिसकी सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ कर रही थी। इस बेंच का कहना है कि दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में विभिन्न समय पर मुकदमे में देरी के लिए आरोपी स्वयं ज़िम्मेदार हैं, न कि दिल्ली पुलिस या निचली अदालत। गौरतलब है कि करीब छह महीने पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने पत्रकार बरखा दत्त को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उमर ख़ालिद को जमानत इसलिए नहीं मिली क्योंकि उनके वकील बार बार समय मांगते थे। वे मुकदमा शुरु नहीं होने देते और केस स्थगन की मांग जजों से करते थे। इस साक्षात्कार में जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी कहा था कि सोशल मीडिया पर एक खास नजरिया सामने लाया जाता है, जबकि जजों के पास अपने बचाव के लिए कोई मंच नहीं है। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश रहते हुए डी वाय चंद्रचूड़ ने ही बयान दिया था कि जमानत कोई अपवाद नहीं है, बल्कि एक नियम है और निचली अदालतों में इसे लागू करने में झिझक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई लोगों को जमानत दी और इस बात पर ज़ोर दिया कि ज़मानत देने में उदारता बरती जानी चाहिए। लेकिन उनके मुताबिक दिल्ली दंगों में आरोपियों के वकील ही जमानत की राह में आड़े आ रहे हैं और यही विचार अब हाईकोर्ट के माननीय जजों ने व्यक्त किए।

इस लिहाज से तो अब उमर खालिद समेत तमाम आरोपियों का पक्ष रखने वाले वकीलों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए ताकि अगली बार जमानत की अर्जी लगे तो उसे खारिज करने के नौबत न आए। बिना सुनवाई या सजा के पांच साल का लंबा वक्त जेल में गुजारना न्यायिक व्यवस्था के लिए आदर्श स्थिति नहीं है। पिछले साल अमेरिका के अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने उमर खालिद को जेल पर पूरे पन्ने की स्टोरी प्रकाशित की थी, जिसमें मोदी सरकार पर तो गंभीर सवाल उठे ही थे, देश की न्यायिक व्यवस्था पर भी सवाल थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के लिहाज से भारत की छवि कुछ खास अच्छी नहीं है और ऐसी घटनाएं इस दाग को और गहरा करती हैं।

जहां तक उमर खालिद की जमानत इस बार खारिज होने का सवाल है, तो उनके वकील त्रिदीप पैस ने अदालत में तर्क दिया कि उनके खिलाफ आरोप बिना सबूत के हैं और पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों को दंगों के साथ जोड़ने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि खालिद ने कोई हिंसा नहीं भड़काई और न ही वह दंगों के दौरान दिल्ली में मौजूद थे। पैस ने यह भी बताया कि खालिद ने एक व्हाट्सएप ग्रुप में केवल पांच संदेश भेजे थे, जिनमें से तीन गूगल मैप्स लोकेशन थे, और एक संदेश में उन्होंने पुलिस की ओर से विरोध प्रदर्शन को रद्द करने की अपील की थी। वहीं दिल्ली पुलिस की दलील है कि खालिद ने 'दिल्ली प्रोटेस्ट सपोर्ट ग्रुप' व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए साजिश रची और उनकी गतिविधियां सरकार को 'घुटनों पर लाने' की मंशा को दिखाती थीं। पुलिस ने उनके अमरावती में दिए गए भाषण में 'इंकलाबी सलाम' और 'क्रांतिकारी इस्तकबाल' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने को हिंसा भड़काने के रूप में पेश किया।

'एचआईवी' मरीजों की सुविधा रोकना, अमानवीय?

डॉ. रमेश ठाकुर

डोनाल्ड ट्रंप विभिन्न देशों पर अनाप-शनाप टैरिफ लगाना, बिलावजह की वंदिशें और कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने जैसे उंटपटांग निर्णयों को लेकर पहले से दुनिया के निशाने पर हैं। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी पीड़ितों को मुफ्त एचआईवी सेवाएं बंद करके सोचने पर मजबूर कर दिया है।

'दक्षिण अफ्रीका' ऐसा मुल्क है जहां 'एचआईवी' मरीजों की संख्या सर्वाधिक है। मोटे तौर पर तकरीबन ढ़ाई लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। दक्षिण अफ्रीका के सामने एचआईवी पर नियंत्रण के लिए मात्र जरिया 'मुफ्त अमेरिकी चिकित्सा सुविधा' मानी जाती रही है? जिसे पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बंद करके का ऐलान कर दिया गया। बंदी के निर्णय के कुछ घंटों बाद ही सुविधाएं भी रोक दी गईं। इससे निश्चित रूप से एचआईवी संक्रमितों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी होगी? होगी क्या, हो ही गई? सभी जानते हैं कि दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी संक्रमितों के लिए अमेरिका की मुफ्त चिकित्सा सुविधा वर्षों से जारी थीं। सुविधा बंद करके अमेरिका ने अमानवीय चेहरे से परिचय कराकर दुनिया में थू-थू भी करा ली है। अमेरिकी राष्ट्रपति को कोई ये बात समझाए कि इंसानी जीवन से बढ़कर कोई दौलत, कोई शौहरत नहीं होती? किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को मरीजों के जीवन से साथ ऐसा खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। जीवन बचाने के लिए नफे-नुकासान की परवाह तो कतई नहीं करनी चाहिए।

चिकित्सा सहायता रूकने से एक साथ 2 लाख 22 हजार एड्स संक्रमितों के जीवन को नर्क में धकेला गया है। डोनाल्ड ट्रंप विभिन्न देशों पर अनाप-शनाप टैरिफ लगाना, बिलावजह की वंदिशें और कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने जैसे उंटपटांग निर्णयों को लेकर पहले से दुनिया के निशाने पर हैं। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी पीड़ितों को मुफ्त एचआईवी सेवाएं बंद करके सोचने पर मजबूर कर दिया है। ट्रंप के निर्णयों ने पूरी दुनिया में वैसे ही उथलपुथल मचाई हुई है। इस कड़ी में उन्होंने अफ्रीका के लाखों मरीजों का भी जीवन संकट में डाल दिया है। दक्षिण अफ्रीका सरकार भी हैरान है कि आखिर अमेंरिका ने ऐसा अमानवीय कदम उठाया क्यों? ट्रंप के फैसले के बाद मरीज एचआईवी सुविधा केंद्रों पर दौड़े, लेकिन बिना दवाईयों के उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका में एड्स पीड़ितों का अधिकृत आंकड़ा जितना है उससे कहीं ज्यादा अनाधिकृत है। मुफ्त सुविधाएं रूकने के बाद गुप्त मरीजों की संख्याओं को देखकर सरकार भी हैरत में है। मुफ्त सुविधाएं क्यों रोकी गईं? इस गणित को समझना भी जरूर है। दरअसल, एचआईवी दवाओं की लागत दवा के प्रकार, भौगोलिक स्थिति और दवा कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के आधार पर भिन्न

होती हैं। खरीद में एचआईवी की दवाईयां काफी महंगी पड़ती हैं। कीमतें विभिन्न देशों में अलग-अलग रहती हैं। जगहों के आधार पर दवाइयों में बदलाव भी होता है। भारत में, एचआईवी के लिए 'एंटीरेटृवाइल थेरेपी' और 'एपरेटयूड इनजेक्शन' के अलावा 'ग्लाइड' इस्तेमाल की जाती है जिसके प्रत्येक बॉक्स की कीमत 23 हजार और 15 हजार होती है। बाकी अन्य देश 'टेनोफोविर', 'लेमिवाउडिन', 'डोल्यूटेग्राविर' भी प्रयोग करते हैं। इसके अलावा एचआईवी संक्रमित पर 'न्यूक्लियोसाइड रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस इनहिबिटर प्रोटीएस भी उपयोग होते हैं। ये सभी दवाइयां निजी स्तर पर महंगी होती हैं। बिना सरकारी सहायता के कोई आसानी से नहीं खरीद सकता। ज्यादातर देश अपने मरीजों को सब्सिडी देकर कम दामों में मुहैया करवाते हैं। भारत में भी ये दवाईयां बिल्कुल फ्री नहीं हैं। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर अमेरिका ने यह फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका में मुफत दवाई वितरण में अमेरिका को सालाना करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा था। अमेरिका सालों से अफ्रीकी लोगों को एचआईवी ग्रस्तों को मुफ्त चिकित्सा मुहैया करवाता आया था। पर, अब उसे घाटे का सौदा दिखने लगा? इसलिए मरीजों की जान की परवाह किए बिना ये गैरजरूरी निर्णय ले लिया। जबकि, उसे पता है कि एचआईवी पीड़ितों की सर्वाधिक संख्या इस समय दक्षिण अफ्रीका में है। अमेरिका शुरू से कहता आया था कि अफ्रीकी लोग संसार के दूसरे देशों में पहुंचते हैं तो वहां भी संक्रमण फैलाते हैं। ऐसा न हो, उसके लिए वह अपने स्तर से वहां फैले एचआईवी को नितंत्रण करने के लिए पीड़ितों का ईलाज करते थे। लेकिन, विगत सप्ताह अचानक निःशुल्क चिकित्सा सहायता पर विराम लगा दिया। जबकि, इस बात का ध्यान रखना चाहिए था कि ऐसा करने से एचआईवी संक्रमितों के जीवन पर बात बन आई है। एड्स के डर से मर-मर कर अपना जीवन जीने वाले मरीज इस सदमे कैसे बर्दाश्त कर पाएंगे। अमेरिका की इस हरकत ने मानवीय पहलूओं का भी अनादर किया है। बंदी के निर्णय के बाद मरीज लगातार क्लीनिकों की ओर दौड़ रहे हैं, भगदड़ जैसी स्थिति बनीं हुई है।

हैरान करने वाली बात ये है कि अमेरिका ने निर्णय अचानक लिया, अफ्रीकी सरकार को सूचित भी नहीं किया। 16 क्लीनिकों में 12 क्लीनिक बंद कर दिए जिनमें 63,000 से ज्यादा मरीज प्रभावित हुए हैं। शेष बचे 4 क्लीनिकों में भी जीवनरक्षक दवाईयां पहुंचनी बंद हो गईं हैं। इस बात का वैश्विक स्तर पर जमकर विरोध भी हो रहा है। अमेरिका पर पुर्नविचार की मांग उठ रही है। इतना तय है, अगर मदद जल्द बहाल नहीं हुई, तो न सिर्फ दक्षिण अफ्रीका में लाखों एचआइवी पीड़ितों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि हजारों मौतें भी होनी आरंभ हो जाएंगी। 'गिलियड' एचआईवी पर नियंत्रण करने वाली प्रमुख दवाई मानी जाती है। गिलियड फार्मा कंपनी ने पिछले अक्टूबर-2024 में विश्व की 6 प्रमुख फार्मा कंपनियों के साथ समझौता किया था ताकि गरीब 120 देशों में ये दवा कम कीमत पर उपलब्ध हो। लेकिन कम कीमत के नाम पर ज्यादातर फार्मा कंपनियों ने अपने हाथ पीछे खींच लिए। बहरहाल, संक्रमितों के बचे-खुचे जीवन को बचाने के लिए दक्षिण अफ्रीकी सरकार को प्रतिबद्ध होना होगा। रोकी गई सुविधाओं की भरपाई का विकल्प खोजना होगा। सुखद खबर ये है कि फिलहाल, अमेरिका ने कुछ आवश्यक जीवनरक्षक सेवाओं को सीमित स्तर पर शुरू करने का आश्वासन दिया है। लेकिन संकट फिर भी बरकरार है, टला नहीं? क्योंकि अमेरिकी हुकूमत पर फिलहाल विश्वास नहीं किया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने भारत जैसे अन्य देशों से भी मदद की गुहार लगाई है। पर, इस सच्चाई से सभी वाकिफ हैं कि एचआईवी निरोधक दवाइयों पर जो सफलता अमेरिका ने पाई है, वैसी किसी दूसरे देश ने नहीं? उनके पास इकाइयों का अच्छा बैकअप है। अफ्रीका को फ्री में शायद ही कोई देश दवाई देने पर राजी हो? इसलिए अफ्रीकी सरकार को अपने बजट में इजाफा कर एचआईवी पीड़ितों के लिए धन आवंटित करना चाहिए, ताकि विदेशों से दवाईयां खरीदी जा सकें। एचआईवी संक्रमण न फैले, इसके लिए जागरूकता अभियान भी छेड़े जाने की जरूरत है।

अजब-गजब

35 करोड़ का वो बंगला , जिसके गैरेज में पड़ी है जगुआर औरबीएमडब्ल्यू... घर के अंदर गई महिला तो रह गई दंग

बर्कशायर (यूके) की एक महिला, जो सोशल मीडिया पर @Shell_ExploresUK नाम से जानी जाती हैं, हाल ही में एक ऐसे आलीशान बंगले तक पहुंचीं जिसने सभी को हैरान कर दिया। यह बंगला लंदन के बाहरी हिस्से में एक प्राइवेट एस्टेट के भीतर स्थित है और इसकी कीमत करीब 3.15 मिलियन पाउंड (लगभग 35 करोड़ रुपये) आंकी गई है। बाहर से देखने पर यह जगह किसी सपनों के घर जैसी लगती है। पार्किंग एरिया में महंगी गाड़ियां खड़ी हैं और बंगला भी आधुनिक अंदाज़ में बना है।

जब शेल ने घर के भीतर कदम रखा तो उन्हें जो नजारा देखने को मिला, वह चौंका देने वाला था। आलीशान दिखने वाला यह घर अंदर से खस्ताहाल और वीरान नजर आया। कई कमरों की छतें आंशिक रूप से गिर चुकी थीं और सामान बिखरा पड़ा था। बंगला बाहर से एक मंजिला दिखाई देता है और पेड़ों के बीच छिपा होने की वजह से बहुत कम लोगों की नजर उस पर जाती है। लेकिन जैसे ही शेल ने अंदर प्रवेश किया, उन्हें एक-एक कर कई कमरे दिखाई दिए। इनमें हॉलवे, बेडरूम, किचन और लिविंग रूम शामिल थे। दीवारों की पपड़ी झड़ चुकी थी, फर्नीचर टूटा हुआ था और घर में एक अजीब-सी वीरानी छाई हुई थी। घर की हालत देखने के बावजूद, उसमें कई ऐसी चीजें पड़ी थीं जो बताती हैं कि यह कभी किसी परिवार का खुशहाल आशियाना रहा होगा। शेल को फ्रिज और फ्रीज़र में रखे पुराने खाने के पैकेट मिले, जिन पर साल 2014 की तारीख दर्ज थी। इसके अलावा, घर में जगह-जगह पर परिवार की तस्वीरें बिखरी हुई थीं। सबसे हैरान करने वाली चीज़ थी एक हाथ से लिखा नोट, जो शायद किसी बच्चे ने लिखा था। इन तस्वीरों और नोट को देखकर साफ़ लगा कि घर के मालिक ने इसे अचानक ही छोड़ दिया होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक़, यह बंगला एक तेल व्यापारी बॉब का है, जिसके पास कई मल्टी-मिलियन पाउंड कंपनियां हैं। बॉब अपनी पार्टनर और बेटी के साथ इस घर में रहते थे। लेकिन साल 2014 में अपनी गर्लफ्रेंड से अलग होने के बाद उन्होंने यह घर छोड़कर लंदन में ही एक और बंगले में रहना शुरू कर दिया।

यही वजह है कि बंगले में उनकी कई निजी चीज़ें अब भी मौजूद हैं। शेल को गैराज में खड़ी एक शानदार काली जैगुआर कार मिली, वहीं घर के अंदर जगह-जगह बॉब और उनकी बेटी की तस्वीरें भी रखी हुई थीं। जब शेल ने इस खोज की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए, तो यह तेजी से चर्चा का विषय बन गया।

कुछ लोगों ने मज़ाक में कहा, क्या यह सच में वीरान है? मैं भी तो रोज अपना घर इसी हालत में छोड़कर काम पर जाता हूं। एक अन्य यूज़र ने सवाल उठाया, भला कोई अपने परिवार की इतनी सारी तस्वीरें कैसे पीछे छोड़ सकता है? क्या खाने-पीने की चीज़ें भी इतनी पुरानी हैं?

ब्लॉग

वैश्विक राजनीति की बिसात पर ट्रंप को मोदी ही देंगे मात, अमेरिकी विशेषज्ञों ने कही है यह बात

नीरज कुमार दुबे

भारत-अमेरिका संबंधों पर हाल के घटनाक्रम गहरे द्वंद्व और भ्रम को उजागर करते हैं। एक ओर अमेरिकी रणनीतिक समुदाय के प्रभावशाली वर्ग, जैसे- जेक सुलिवन, मेरी किसल और एडवर्ड प्राइस बार-बार इस सच्चाई को रेखांकित कर रहे हैं कि चीन का प्रभाव अकेले अमेरिका की क्षमताओं से नियंत्रित नहीं किया जा सकता और इसके लिए भारत की साझेदारी अनिवार्य है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यवहार इस साझेदारी को कमजोर करने वाला दिखाई देता है।

देखा जाये तो ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी और इसे रूस से कच्चा तेल खरीदने से जोड़ना, रणनीतिक विवेक से अधिक राजनीतिक सनक का परिणाम प्रतीत होता है। एडवर्ड प्राइस की आलोचना इस संदर्भ में सार्थक है कि यह नीति न केवल अर्थशास्त्र और कूटनीति की गलत समझ दर्शाती है, बल्कि भारत को रूस और चीन के और निकट धकेलने का खतरा भी उत्पन्न करती है, जो अमेरिका की दीर्घकालिक विदेश नीति के लिए घातक परिणाम ला सकती है।

इस परिदृश्य को और जटिल बनाता है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन का वह आरोप जिसमें उन्होंने कहा है कि ट्रंप परिवार के पाकिस्तान में कारोबारी हितों के चलते भारत-अमेरिका संबंधों को बलि चढ़ाया जा रहा है। यदि इसमें सच्चाई का अंश भी है, तो यह अमेरिकी कूटनीति के लिए गंभीर संकट का संकेत है। ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (SCO) जैसे मंचों पर रूस और चीन दोनों से सक्रिय संवाद कर रहे हैं, वाशिंगटन की असंगत नीतियां भारत के विकल्पों को और मजबूत करती हैं। हम आपको बता दें कि जेक सुलिवन भारत-अमेरिका संबंधों के एक प्रमुख वास्तुकार रहे हैं। ऐसे में उनका यह आरोप बेहद गंभीर है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में अपने पारिवारिक कारोबारी हितों के चलते नई दिल्ली के साथ रिश्तों को नुकसान पहुँचाया है। हम आपको बता दें कि पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन, जिन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन, बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन के तहत पिछले एक दशक में कार्य किया है और जिनकी ज़िम्मेदारी में भारत से संबंध भी शामिल थे, उन्होंने सोमवार को पॉडकास्ट Meidastouch में कहा कि ट्रंप ने "भारत के साथ रिश्तों को किनारे कर दिया है" क्योंकि पाकिस्तान ट्रंप परिवार के साथ कारोबारी समझौते करने को तैयार है।

सुलिवन का इशारा ट्रंप परिवार के उस संबंध की ओर था जो ज़ैक विटकॉफ़ से जुड़ा है। हम आपको बता दें कि ज़ैक विटकॉफ़ वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (WLFI) के सह-संस्थापक हैं, जिसने अप्रैल 2025 में पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल के साथ एक समझौता किया था ताकि पाकिस्तान में क्रिप्टो विकास और डिजिटल वित्तीय परिवर्तन को बढ़ावा दिया जा सके। माना जाता है कि ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप, तथा दामाद जैरेड कुश्नर इस कंपनी में बड़ा हिस्सा रखते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि ज़ैक, स्टीव विटकॉफ़ के बेटे हैं, जो ट्रंप के पुराने मित्र और दुनिया के विभिन्न हॉटस्पॉट क्षेत्रों (खाड़ी से लेकर रूस-यूक्रेन तक) में उनके सलाहकार रहे हैं। यह माना जा रहा है कि इसी क्रिप्टो डील के चलते ट्रंप ने पाकिस्तान के सैन्य शासक आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस आमंत्रित किया था, ठीक कुछ सप्ताह बाद जब ज़ैक ने इस्लामाबाद में उनसे मुलाकात कर अपना क्रिप्टो उपक्रम प्रस्तुत किया।

अमेरिका के पूर्व एनएसए जेक सुलिवन ने इसे "ट्रंप की विदेश नीति की सबसे कम रिपोर्ट की गई कहानियों में से एक" बताते हुए कहा कि भारत से संबंध तोड़ना "एक बड़ा रणनीतिक नुकसान" है। उनके अनुसार, इससे जर्मनी, जापान और कनाडा जैसे सहयोगी देशों का भरोसा भी डगमगा सकता है, क्योंकि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकेगा और वह मान सकते हैं कि अगला नंबर उनका है। उन्होंने कहा, "हमारा वचन ही हमारा बंधन होना चाहिए। हमारे मित्रों को हम पर भरोसा कर पाना चाहिए। भारत के साथ जो कुछ हो रहा है उसका असर केवल द्विपक्षीय संबंधों पर ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में हमारे साझेदारियों पर भी पड़ेगा।" हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी मीडिया में चीन में आयोजित एससीओ (SCO) शिखर सम्मेलन को लेकर व्यापक कवरेज हुआ और कई विशेषज्ञों ने अफसोस जताया कि ट्रंप की कठोर नीति भारत को रूस और चीन के और निकट धकेल रही है। इसे कुछ विश्लेषकों ने "अशांति की नई धुरी" तक कहा। हालाँकि, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने SCO बैठक को "ज्यादातर दिखावटी" करार देते हुए कहा कि भारत के मूल्य अमेरिका से कहीं अधिक मेल खाते हैं, चीन या रूस से नहीं। उन्होंने कहा, "भारतीयों ने रूसी तेल खरीदकर और उसे दोबारा बेचकर यूक्रेन युद्ध को वित्तीय मदद दी है। लेकिन अंततः, दो महान राष्ट्र इस समस्या का समाधान कर लेंगे।"

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भी भारत पर अपनी आलोचना को थोड़ा नरम करते हुए तियानजिन में हुए SCO शिखर सम्मेलन का हवाला देते हुए कहा, "मोदी को शी जिनपिंग और पुतिन के साथ देखना अफसोसजनक था हमें उम्मीद है कि वे समझेंगे कि उन्हें हमारे साथ होना चाहिए, न कि रूस के साथ।" फिर भी, कई विश्लेषकों का मानना है कि नुकसान हो चुका है और संबंधों को बहाल करना कठिन होगा। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ शोधकर्ता एडवर्ड प्राइस ने बताया, "भले ही भारत और अमेरिका अंततः टैरिफ पर कोई समझौता कर लें, लेकिन भरोसा खो चुका है।" उन्होंने चेतावनी दी, "यदि चीन, रूस और भारत किसी भी आर्थिक या आंशिक सैन्य गठबंधन में एकत्रित हो जाते हैं, तो अमेरिका के लिए 21वीं सदी में प्रतिस्पर्धा करना असंभव हो जाएगा। बेहतर होगा कि हम घर चले जाएँ।" वहीं, अमेरिका की पूर्व सलाहकार मैरी किसेल ने कहा है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का अकेले अमेरिका मुकाबला नहीं कर सकता और इसके लिए भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वाशिंगटन को बीजिंग की बढ़ती ताकत का सामना करने के लिए नई दिल्ली का सहयोग चाहिए। हम आपको बता दें कि किसेल पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो की वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिये साक्षात्कार में आर्थिक तनावों के बीच भारत-अमेरिका साझेदारी की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह तनाव वाशिंगटन द्वारा भारतीय आयात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क के कारण और बढ़ा है। किसेल ने कहा, "यदि हम सचमुच साम्यवादी चीन को अमेरिका और हमारी जीवनशैली के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते हैं, तो हमें भारत की ज़रूरत है। यह सच्चाई है। हम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अकेले उनसे नहीं लड़ सकते।" किसेल ने यह भी कहा कि SCO शिखर सम्मेलन में भारत की सक्रिय भूमिका ट्रंप प्रशासन के लिए चीन की आक्रामकता से निपटने में बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, "हमें केवल ऑस्ट्रेलिया या जापान जैसे मित्रों की ही नहीं, बल्कि भारत की भी ताकत चाहिए। मेरा मानना है कि यह बैठक ट्रंप प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती को उजागर कर रही है।" इसके अलावा, एक स्वतंत्र विदेश नीति विश्लेषक एडवर्ड प्राइस ने भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत-नीति पर कड़ी आलोचना की है और चेतावनी दी है कि हालिया व्यापारिक विवाद उस साझेदारी को कमजोर कर सकते हैं जिसे उन्होंने "21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी" बताया। एडवर्ड प्राइस न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में सहायक प्राध्यापक हैं। उन्होंने एक समाचार एजेंसी को दिये साक्षात्कार में कहा कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ़ लगाने की धमकियाँ अर्थशास्त्र और कूटनीति, दोनों की बुनियादी समझ की कमी को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, "मैं पहले सोचता था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अर्थशास्त्र और कूटनीति की बहुत खराब समझ है। अब मुझे एहसास हुआ कि मैं ग़लत था। असल में राष्ट्रपति ट्रंप को अर्थशास्त्र और कूटनीति की कोई समझ ही नहीं है।" देखा जाये तो यह आलोचना उस समय आई है जब ट्रंप ने ओवल ऑफिस में अपने बयान में भारत द्वारा अमेरिकी कंपनियों पर लगाए गए टैरिफ़ का उल्लेख किया, जबकि उसी समय उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका का भारत से "बहुत अच्छा तालमेल" है।

एडवर्ड प्राइस का कहना था कि भारत की टैरिफ़ नीतियाँ न्यायोचित हैं क्योंकि वह एक विकासशील अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था ने विशेष रूप से विकासशील देशों को विकसित देशों की तुलना में अधिक टैरिफ़ लगाने की छूट दी थी। उन्होंने तर्क दिया कि ट्रंप की नीति रणनीतिक रूप से उलटी साबित हो रही है और भारत को चीन और रूस के करीब धकेल सकती है। उन्होंने कहा कि यह वही परिणाम है जिसे अमेरिकी विदेश नीति हमेशा टालना चाहती रही है। एडवर्ड प्राइस ने कहा कि हालिया तस्वीरें, जिनमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साथ दिखाई दिए, उसने इस संभावित उभरते गठबंधन को लेकर चिंता बढ़ा दी है। एडवर्ड प्राइस ने कहा, "ऐसा लगता है कि उन्होंने भारत को रूस और चीन के करीब ला दिया है।" हालाँकि, उन्होंने यह भी चेताया कि इन देशों के बीच ऐतिहासिक तनावों के कारण यह गठजोड़ स्थायी न होकर सामरिक हो सकता है। उन्होंने मोदी की चीन और रूस से सहभागिता को वॉशिंगटन के लिए एक सोची-समझी याद दिलाने की रणनीति बताया कि भारत के पास विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने कहा, "मोदी समझदार हैं। मोदी अपने पत्ते खेल रहे हैं। वह अमेरिका को याद दिला रहे हैं कि उनके पास चुनाव का विकल्प है।" प्राइस ने यह भी कहा कि भारत का ऐतिहासिक झुकाव गुटनिरपेक्षता की ओर रहा है, जो शीतयुद्ध के दौरान गुटनिरपेक्ष आंदोलन में उसकी नेतृत्वकारी भूमिका से स्पष्ट है। इसलिए संभावना है कि नई दिल्ली महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा में स्थायी रूप से किसी एक पक्ष को न चुने।

पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के उस आरोप पर कि पाकिस्तान में ट्रंप के व्यावसायिक हितों ने नीति को प्रभावित किया है, एडवर्ड प्राइस ने कहा कि राष्ट्रपति के सक्रिय वित्तीय हित चिंताजनक हैं जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने परंपरागत रूप से टाला है। साक्षात्कार में ट्रंप समर्थक पीटर नवारो की उस विवादित टिप्पणी पर भी चर्चा हुई जिसमें उन्होंने यूक्रेन युद्ध को "मोदी का युद्ध" कहा था। एडवर्ड प्राइस ने नवारो की विश्वसनीयता को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी बयानबाज़ी "अजीब" है और ज़ोर देकर कहा कि यह "पुतिन का युद्ध है, मोदी का नहीं।" प्राइस ने तर्क दिया कि 21वीं सदी में निर्णायक भूमिका भारत की होगी। अमेरिका और चीन के बीच शक्ति-संघर्ष के नतीजे का निर्धारण भारत की स्थिति से होगा।

तलाक नहीं दे रही थी पत्नी, पति ने तीन दिन तक किया पीछा, फिर सरेराह मार दी गोली... सीसीटीवीमें कैद लाइव मर्डर

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी। इससे पत्नी की तड़प-तड़पकर वहीं मौत हो गई। पति वहां से भागा नहीं, बल्कि लाश के पास खड़ा रहा। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पति इस बात से नाराज था कि पत्नी उसे तलाक नहीं दे रही थी। दोनों की 15 साल पहले शादी हुई थी। दोनों की 13 साल की बेटी भी है।

बेटी ने ही पिता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है। उसने बताया कि पत्नी उसे पसंद नहीं करती थी। 14 महीने पहले दोनों ने तय किया था कि अब वो अलग हो जाएंगे। पत्नी अपनी बेटी के साथ अलग रह रही थी। पति इस बात से नाराज था कि कोर्ट में

जब भी तारीख पड़ती थी, वो तो आ जाता था। मगर पत्नी आती ही नहीं थी। वहीं, लोगों ने बताया कि पति विदेश जाकर नौकरी करना चाहता था। मगर तलाक न होने के कारण वो बाहर जा नहीं पा रहा था।

घटना बुधवार रात 8 बजे शाहपुर थानाक्षेत्र की है। बुधवार को जब पत्नी काम से लौटकर एक दुकान में गई तो पति भी वहां पहुंच गया। जैसे ही पत्नी बाहर निकली। दोनों में झगड़ा हो गया। फिर पति ने पत्नी पर बंदूक तानी और उस पर फायरिंग कर दी। यह पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। एक गोली पत्नी के सीने में लगी तो दूसरी गोली उसके हाथ में लगी। फिर वो वहीं गिर गई और थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई।

क्यों होती थी दंपति में लड़ाई

जानकारी के मुताबिक, जेल रोड निवासी विश्वकर्मा चौहान की शादी 15 साल पहले 35 वर्षीय ममता चौहान से हुई थी। परिजनों की मानें तो पहले तो सब कुछ ठीक था। दोनों की एक बेटी भी हुई। मगर समय के साथ-साथ दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। शादी के कुछ साल बाद से ही दोनों में लड़ाई-झगड़े शुरू हो गए। दोनों ही एक दूसरे पर अवैध संबंधों का इल्जाम लगाते थे। 14 महीने पहले ममता अपनी 13 साल की बेटी को लेकर शाहपुर के गीता वाटिका इलाके में जाकर किराए के घर में रहने लगी। वह प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी।

पत्नी पर लगाए गंभीर आरोप

दोनों के तलाक का केस फैमिली कोर्ट में चल रहा था। पड़ोसियों की मानें तो ममता कोर्ट नहीं जाती थी। इस बात को लेकर पति-पत्नी में और लड़ाई होती थी। पति का आरोप था कि पत्नी उससे गुजारा भत्ता तो चाहती थी। मगर वो उसे पैसे नहीं देना चाहता था। इसलिए ममता कोर्ट नहीं आती थी। पति ने आरोप लगाया कि पत्नी उस पर खेत बेचने का भी दबाव बना रही थी। वह बार-बार उससे पैसों की डिमांड कर रही थी। इस बात से वो तंग आ चुका था। तीन दिन तक उसने पत्नी की रेकी की। फिर उसे मार डाला। फिलहाल आरोपी पुलिस गिरफ्त में है। मामले में आगामी कार्रवाई जारी है।

एबीवीपी के आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने राजभर का फूंका पुतला

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं और छात्रों पर हुए बर्बर पुलिसिया लाठीचार्ज का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी दोषियों के विरुद्ध अभी तक एफआईआर न लिखे जाने से कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ने लगा है। मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा घटना को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी ने कार्यकर्ताओं के आक्रोश को बढ़ा दिया। एबीवीपी के आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को डीएम कार्यालय पहुंच कर अपना विरोध दर्ज कराया। मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी को सौंपा।इसके उपरांत जुलूस निकाल कर पटेल चौराहे पर मंत्री ओमप्रकाश राजभर का पुतला फूंका। इस दौरान अभाविप कार्यकर्ता जोरदार नारेबाजी कर रहे थे। ज्ञापन में श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय (एसआरएमयू) में हो रही अवैध वसूली,बिना मान्यता के शैक्षिक संस्थान संचालित करने जैसे गंभीर आरोपों की जांच करने एवं सख्त कार्रवाई की पुरजोर मांग की गई है।इसके अलावा एबीवीपी कार्यकर्ताओं एवं छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज करने वाले दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने व कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। विश्वविद्यालय द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गई सरकारी भूमि को खाली कराने एवं समुचित कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में की गई है।इस अवसर पर कार्तिकेय मिश्रा ,आकाश त्रिवेदी, योगेश सिंह, अभय शुक्ला, राजवीर त्रिवेदी, अस्तित्व मिश्रा, वैष्णवी परमार, ईशा, अभय राम त्रिपाठी, कामिल, आदर्श सिंह, विशाल सिंह, शशांक गुप्ता, आशुतोष, शिव केश, शरद, अनुराग, निशांत सिंह, जिज्ञासा गुप्ता, सलामुद्दीन, पवन सोनी, अभिनव, राज, गौरव, प्रांशी, अभिषेक बाजपेई, अनुराग शुक्ला, साक्षी वर्मा, आयुष वर्मा मौजूद रहे।

'शादी करूंगी तो बस जीजा से ही...', साली ने पकड़ी ऐसी जिद, दीदी के फैसले ने उड़ाए सबके होश

आर्यावर्त संवाददाता

अमरोहा। जीजा साली का रिश्ता काफी संवेदनशील होता है। साली को जीजा की आधी घर वाली भी कहा जाता है। मगर कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो इस रिश्ते को सच में कुछ उल्टा समझ लेते हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है उत्तर प्रदेश के अमरोहा से। यहां एक व्यापारी ने अपनी बेटी की शादी दो साल पहले काशीपुर में करवाई। मगर एक साल भर बाद ही जीजा का अफेयर साली से चल पड़ा। आलम ये है कि दोनों साथ रहने की जिद पर अड़ गए। यही नहीं, साली अपने जीजा के पास पहुंच गई। कहने लगी- शादी करूंगी तो जीजा से ही। नहीं तो कुंवारी रहूंगी। परिजनों ने जब यह बात सुनी तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजनों ने छोटी बेटी को समझाया, मगर वो नहीं मानी। इस पर बड़ी बहन ने जो फैसला लिया, उससे तो परिवार को और ज्यादा होश उड़ गए।

बड़ी बहन ने छोटी बहन को अपनी सौतन के रूप में अपनाने पर हामी भर दी। जीजा और साली भी उसके इस फैसले से खुश हो गए। मगर परिवार अभी भी इस रिश्ते के खिलाफ है। उनका कहना है कि ऐसा करना गलत है। वो दोनों को समझाने में जुटे हुए हैं। मामला अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र का है। दो साल पहले एक व्यापारी की बड़ी बेटी की शादी काशीपुर के रहने वाले व्यापारी से हुई थी। शादी के बाद पति पत्नी खुशनुमा जिंदगी में नए किरदार की एंट्री हो गई। वो नया किरदार था साली का। साली और जीजा अफेयर चल पड़ा। घर पर किसी को भी इसकी भनक नहीं लगी। दोनों चोरी छिपे मिलते तो कभी साली बहन से मिलने के बहाने जीजा के घर आ जाती।

जिद पर अड़े रहे जीजा-साली

दोनों एक दूसरे के बिना रह भी नहीं पाते थे। फिर एक दिन अचानक से साली अपनी बहन के यहां आई और जीजा संग रहने की जिद करने लगी। दीदी ने छोटी बहन के मुंह से ये बात सुनी तो वह सन्न रह गई। उसे लगा कि बहन मजाक कर रही है। मगर जब वो काफी देर तक यही रट लगाती रही तो जीजा भी कहने लगा- मैं भी साली से प्यार करता हूं। इसी के साथ रहना चाहता हूं। बात फिर दोनों परिवार के लोगों तक पहुंची।

दीदी ने अपनाया छोटी बहन को

साली के घर वाले वहां पहुंचे। उन्होंने दोनों को समझाने की कोशिश की। मगर जीजा-साली अपने फैसले पर अडिग थे। इसके बाद दीदी ने ऐसा फैसला सुनाया जिस पर किसी को भी यकीन न हुआ। दीदी बोली- मैं अपनी बहन को साथ रखने के लिए तैयार हूं। परिवार वाले बोले- बेटी ये तुम क्या कह रही हो? दीदी बोली- कोई बात नहीं। मैं इस रिश्ते को अपनाने को तैयार हूं। जीजा-साली ये सुनकर खुश हो गए। वहीं, परिवार वाले अभी भी दोनों को समझाने में लगे हैं। वहीं, अब इस प्रेम कहानी की चर्चा हर कहीं हो रही है।

चयनित शिक्षकों को अयोग्य ठहराना सिद्धांतों के खिलाफ: सुशील पांडे

बाराबंकी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुशील पांडे ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर लाखों शिक्षकों की ओर से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बीती 01 सितंबर को दिए गए निर्णय के क्रम में देश के सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने पर उक्त आदेश के दूरगामी क्षतिकारी परिणामो की ओर इंगित करते हुए अनुरोध किया है कि इस निर्णय से सेवारत शिक्षक हितों के विरुद्ध उत्पीड़नात्मक संदेश जाने से शिक्षकों में अपने भविष्य और आजीविका संकटग्रस्त होने, शिक्षा प्रणाली की स्थिरता और गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका व्याप्त हो गयी है। उक्त के परिपेक्ष्य में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बाराबंकी के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री को संबोधित पत्र में अनुरोध किया गया है कि जो शिक्षक सेवारत हैं उनकी नियुक्ति तत्कालीन सेवा नियमावली के अनुरूप है।

4 महीने पहले हुई थी शादी, दुल्हन को फिर हो गया इश्क...पति को छोड़कर बॉयफ्रेंड के साथ फरार

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक शादीशुदा युवती प्रेमी के साथ फरार हो गई है। युवती की शादी पलहीपुर गांव के एक युवक से चार महीने पहले हुई थी। अब पति ने पुलिस से शिकायत की है और पत्नी को ढूंढने की गुजारिश की है। पीड़ित परिवार का कहना है कि बहू ने जो कदम उठाया है, उससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को गहरी ठेस पहुंची है।

पलहीपुर गांव निवासी सोनू राजभर की शादी 17 मई 2025 को बिरनो थाना क्षेत्र के बद्धूपुर गांव की गुड़िया राजभर के साथ हुई थी। शादी के शुरुआती डेढ़ माह तक सबकुछ सामान्य रहा और पति-पत्नी साथ में रहे। इसके बाद सोनू परिवार की जिम्मेदारियां पूरी करने और पत्नी की इच्छाओं को पूरा करने के लिए मुंबई कमाने चला गया। उधर, सोनू की गैरमौजूदगी में उसकी पत्नी गुड़िया

की नजदीकियां गांव के ही रिंकू राजभर से बढ़ने लगीं। दोनों के बीच फोन पर बातचीत और मुलाकातों का सिलसिला तेज हो गया।

कैश-जेवर लेकर फरार

आरोप है कि 30 अगस्त की सुबह गुड़िया घर में रखे करीब 2 लाख 10 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात समेटकर प्रेमी रिंकू के साथ फरार हो गई। घटना के बाद जब परिजनों ने खोजबीन शुरू की तो पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई। फुटेज में गुड़िया को अपने प्रेमी के साथ स्कूटी पर नहर मार्ग की ओर जाते हुए साफ देखा गया।

मामले की जानकारी मिलते ही पीड़ित पति सोनू मुंबई से घर पहुंचा और थाने तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में पत्नी और उसके प्रेमी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। सोनू ने बताया कि उसने अपनी पत्नी पर पूरा विश्वास किया और उसकी जरूरतों को पूरा करने के लिए परदेश गया, लेकिन उसने विश्वास तोड़कर परिवार की इज्जत और रिश्तों को दांव पर लगा दिया।

महिला की तलाश में जुटी पुलिस

इस पूरे मामले में पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की तफ्तीश की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पीड़ित पति और उसका परिवार न्याय की उम्मीद में पुलिस के दरवाजे खटखटा रहा है।

मुठभेड़ में इनामी बदमाश की गिरफ्तारी

बाराबंकी। थाना फतेहपुर क्षेत्रान्तर्गत सिहाली मार्ग पर देर रात हुई पुलिस मुठभेड़ में चोरी के मामले में वांछित 15 हजार के इनामी सुनील लोनिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया। पुलिस की गोली लगने गिरफ्तार हुआ घायल बदमाश सुनील लोनिया पुत्र रामबख्श निवासी टेकुवा, थाना मोहम्मदपुर खाला का निवासी है। जिसके कब्जे से 01 अवैध तमंचा, 01 खोखा व 01 जिंदा कारतूस, चोरी से सम्बन्धित 1000 नगदी, एक मोटरसाइकिल पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सुनील लोनिया ने अपने साथियों के साथ जून 2025 में थाना फतेहपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बेहटी में एक बड़ी चोरी की थी, जिसके चलते उस पर ₹15 हजार का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी पर कई थानों में हत्या के प्रयास, चोरी, डकैती, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट सहित 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

जिला वृक्षारोपण, पर्यावरण, गंगा समिति की बैठक डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। जिला वृक्षारोपण, पर्यावरण, गंगा समिति की बैठक जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिन विभागों के द्वारा जिओ टैगिंग शत प्रतिशत नहीं की गई है वे अविलंब करा कर रिपोर्ट प्रेषित करें। विभागवार जिओ टैगिंग सत्यापित करने के लिए अधिकारियों को नामित किया गया है। बैठक में जिला पर्यावरण समिति के अंतर्गत दिए गए निर्देशों के क्रम में कूड़े को उठाकर उसको तिरपाल से ढक कर ले जाने की कार्यवाही पर चर्चा की गई। इसके संबंध में ईओ नगर पालिका द्वारा अवगत कराया गया कि वाहनों पर वर्तमान में कूड़ा तिरपाल से ढककर ले जाया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने बायो मेडिकल वेस्ट का समुचित निस्तारण करने के लिए संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला अस्पताल जिला महिला अस्पताल सहित समस्त स्वास्थ्य इकाइयों पर बायोमेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। समस्त नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में ठोस अपशिष्ट ट्रांसफर स्टेशन, डम्पिंग साईट छमता एवं कार्यात्मक स्थिति की अद्यतन रिपोर्ट पर बल दिया गया। जनपद में उत्पन्न हो रहे ठोस अपशिष्ट के उपचार एवं वैज्ञानिक प्रबन्धन (वेस्ट टू कम्पोस्ट एवं वेस्ट टू एनर्जी) हेतु की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गयी। बैठक में घाघरा नदी, गोमती नदी, कल्याणी नदी एवं रेठ नदी के घाटों को पर्यटन के रूप में विकसित करने, अंत्येष्टि स्थल के निर्माण, जनपद में छोटी एवं सहायक नदियों के पुनरुद्धार एवं कायाकल्प किए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने जनपद में गंगा ग्राम सेवा समिति के गठन के संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया। कल्याणी नदी के घाट पर स्थित प्राचीन मंदिर बाबा रामसनेही पर नियमित आरती कराए जाने के संबंध में चर्चा की गई। जिलाधिकारी नियमित आरती कराए जाने एवं उसकी सूचना फोटोग्राफ उपलब्ध कराए जाने के निर्देश ईओ आरएसघाट को दिए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी श्री आकाशदीप बधावन, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार, समस्त अपजिलाधिकारी, उपायुक्त मनरेगा, पीडी डीआरडीए, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ अतुल अवस्थी शाहिद संबंध जनपद स्तरीय अधिकारी गण उपस्थित रहें।

तीन मुस्लिम पति और एक लिव-इन पार्टनर... फिर हिंदू दूल्हे से कर ली शादी, सुहागरात के दो दिन बाद शातिर दुल्हन का ऐसे खुला राज

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में पुलिस ने शातिर दुल्हन को गिरफ्तार किया है। इस दुल्हन पर धोखाधड़ी का आरोप लगा है। इसने तीन मुस्लिम पतियों को निकाह के बाद छोड़ दिया। फिर लिव-इन रिलेशन में एक युवक के साथ रहने लगी। इस दौरान उसने एक हिंदू युवक से भी शादी कर ली। वो भी अपनी सच्चाई छिपाकर। मगर सुहागरात के दो दिन बाद जब वो अचानक गायब हो गई तो पति उसे ढूंढने लगा। फिर उसे दुल्हन के राज का पता चला।

मामला मांट थानाक्षेत्र के एक गांव का है। यहां ढकू गांव में रहने वाले वीरेंद्र की शादी नहीं हो रही थी। तब गांव की ही एक महिला सुखवीर और प्रवीण ने वीरेंद्र के परिजनों से कहा- हमारी नजर में एक युवती है। वो वीरेंद्र से शादी कर लेगी। मगर परिवार गरीब है, इसलिए उन्हें दो लाख रुपये देने होंगे। फिर उन्होंने एक युवती से वीरेंद्र की मुलाकात करवाई। युवती का नाम अलीगढ़ निवाली काजल पुत्री महेश बताया गया। 26 अगस्त को लड़के वालों ने दुल्हन पक्ष को दो लाख रुपये दिए। फिर उसी दिन भांडीरवन में एक वट वृक्ष के नीचे दोनों की शादी करवा दी गई। दूल्हा फिर दुल्हन को अपने घर जावरा ले आया। यहां भी दो दिन तक शादी के कार्यक्रम चले। दूल्हे ने बताया- पहले दो दिन तो सब कुछ सही रहा। मगर सुहागरात के दो दिन बाद दुल्हन रात को कहीं चली गई।

दूल्हे ने बताया- मैंने और मेरे परिवार ने दुल्हन को ढूंढना शुरू किया। फिर हमें दुल्हन एक कॉलेज के पास जावेद नामक युवक के साथ दिखी। हम दोनों को थाने ले आए। पुलिस के सामने फिर दुल्हन ने बताया- मेरा असली नाम गुलबसा है। मेरा पहले आगरा निवासी आगरा निवासी फुरकान से हुआ था। फिर दूसरा निकाह फिरोजाबाद निवासी सलमान से हुआ। तीसरा निकाह अलीगढ़ निवासी आमिर से हुआ।

जावेद संग लिव-इन-रिलेशन में

दुल्हन बोली- इसके बाद मैं अलीगढ़ के भुजपुरा निवासी जावेद संग रिलेशन में आई। हम दोनों लिव-रिलेशन में रहते हैं। हमने पैसों की खातिर वीरेंद्र को फंसाया। दो लाख रुपये लेकर मैं वापस जावेद के पास आ गई थी। मगर पकड़ी गई।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया

पुलिस ने आरोपी महिला और जावेद को गिरफ्तार कर लिया है। इनके बाकी के साथियों की तलाश जारी है। साथ ही लूट का सारा सामान भी बरामद कर लिया गया है। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्रवाई जारी है।

42 दिन में 12 बार सांप ने काटा, डॉक्टरों ने बताया कारण, बोले- मरीज के मन में एक डर है जो कि...

आर्यावर्त संवाददाता

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले में एक 15 साल की लड़की रिया को बार-बार सांप काटने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम रिया के घर पहुंची। वहां उन्होंने जांच-पड़ताल की और पाया कि उसका घर पूरा मिट्टी का बना हुआ है। उसके घर में कई सारे सांप के बिल भी हो सकते हैं। इसकी वजह से वह बार-बार स्नेक बाइट का शिकार हो रही है।

टीम ने उनके घर के आसपास दवाइयों का छिड़काव किया और उसका इलाज भी किया। लेकिन रिया के मन में डर सा बैठ गया है कि उसे सांप फिर से काट सकता है। इसे लेकर वो टेंशन में रहती है। वर्तमान में वह जिला अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड में भर्ती है। यहां डॉक्टरों की

देख-रेख में उसका इलाज चल रहा है।

वहीं, इस घटना को लेकर सीएमओ डॉ। संजय कुमार ने बताया- यह कहना जल्दबाजी होगा कि सांप जहरीला है या नहीं। उन्होंने बताया कि जब हम रिया के घर पहुंचे तो देखा कि घर मिट्टी का है और कई जगह पर सांप के बिल हैं। एक ही सांप ने काटा है या कई सांपों ने काटा है, इसका कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है। हमारी टीम रिया मौर्य का इलाज कर रही है। वह बिल्कुल ठीक है।

इस मामले में मेडिकल कॉलेज कौशाम्बी के प्राचार्य डॉ। हरिओम कुमार सिंह का मानना है- एक ही व्यक्ति को सांप 42 दिनों में 12 बार सर्पदंश का शिकार नहीं बना सकता है। यह एक प्रकार की बीमारी होती है, जिसे रेप्टीकल फोबिया कहते है। यह मरीज रेप्टीकल फोबिया से पीड़ित हो सकती है। इलाज से वह पूरी तरह से ठीक हो सकती है। इसका इलाज पूरी तरह से संभव है और अपने जनपद के संयुक्त चिकित्सालय में ही उपलब्ध है।

रेप्टीकल फोबिया, या हर्पेटोफोबिया

रेप्टीकल फोबिया, या हर्पेटोफोबिया (Herpetophobia), छिपकलियों, सांपों और अन्य सरीसृपों के प्रति अत्यधिक और अतार्किक डर है। यह डर किसी व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों को सीमित कर सकता है। और यह किसी सरीसृप की तस्वीर या विचार से भी तीव्र चिंता पैदा कर सकता है। इस फोबिया के इलाज के लिए मनोवैज्ञानिक थेरेपी, विशेष रूप से कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (CBT), और कुछ मामलों में दवाइयां भी शामिल हो सकती हैं।

यह सरीसृपों के प्रति एक तीव्र, तर्कहीन और लगातार बना रहने वाला डर है। ऐसे मरीज को निम्न लक्षण हो सकते हैं। इस फोबिया से पीड़ित व्यक्ति को तीव्र भय, चिंता, घबराहट, पसीना आना, और दिल की धड़कन तेज होना जैसे लक्षण हो सकते हैं। सरीसृपों को देखने, छूने, या यहां तक कि उनकी तस्वीरें या कार्टून देखने से भी डर उत्पन्न हो सकता है।

मनोवैज्ञानिक थेरेपी

कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (CBT) जैसी थेरेपी व्यक्ति की सोच और व्यवहार में बदलाव लाकर मदद कर सकती है। वहीं कुछ मामलों में चिकित्सक दवाएं भी दे सकते हैं।

यह फोबिया कैसे काम करता है

यह एक प्रकार का विशिष्ट फोबिया है, जिसका अर्थ है कि यह किसी एक वस्तु या स्थिति के प्रति भयभीत प्रतिक्रिया है। जब कोई व्यक्ति उस सरीसृप के संपर्क में आता है जिससे उसे डर है, तो उसे पैनिक अटैक भी आ सकता है। ऐसे मामले में मरीज के परिजनों को चाहिए कि वह उसकी अच्छे से देखभाल करे, उसे अकेला न छोड़ें और इस बात का ध्यान रखें कि उसे अच्छी नींद आए। इसके लिए मरीज को अस्पताल में भर्ती कराकर डॉक्टरों से इलाज करवाएं।

जरूरत से ज्यादा आती है नींद और शरीर में बना रहता है आलस, हो सकता है इन बीमारियों का संकेत

एक सामान्य व्यक्ति के लिए 7–8 घंटे की नींद पर्याप्त होती है। अगर कोई व्यक्ति इतनी देर अच्छी तरह से सोने के बाद भी थका हुआ और आलस महसूस कर रहा है, तो यह किसी बीमारी का शुरुआती संकेत हो सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

अगर आपको जरूरत से ज्यादा नींद आती है और दिन भर आलस बना रहता है, तो यह सिर्फ थकान नहीं, बल्कि एक गंभीर मेडिकल स्थिति का संकेत हो सकता है, जिसे हाइपरसोम्निया कहते हैं। हाइपरसोम्निया एक ऐसी बीमारी है जिसमें व्यक्ति रात में पर्याप्त नींद लेने के बाद भी दिन में बहुत ज्यादा सुस्त और नींद में रहता है।

आम तौर पर हम एक दिन में 7 से 8 घंटे की नींद लेते हैं, लेकिन अगर आपको इससे भी ज्यादा सोने की जरूरत महसूस हो, और नींद पूरी होने के बावजूद थकान और आलस बना रहे, तो यह चिंता का विषय है। लोग अक्सर इसे अनदेखा कर देते हैं और अपनी दिनचर्या में बदलाव नहीं ला पाते। हाइपरसोम्निया के कई कारण हो सकते हैं, इस स्थिति को समझना और इसके पीछे के कारणों को जानना बहुत जरूरी है ताकि समय पर इसका सही इलाज किया जा सके। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

स्लीप एपनिया

हाइपरसोम्निया का एक सबसे बड़ा कारण स्लीप एपनिया है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें सोते समय सांस कुछ समय के लिए रुक जाती है या बहुत धीमी हो जाती है। सांस रुकने से दिमाग को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे नींद बार-बार टूटती है, भले ही आपको इसका एहसास न हो। इस वजह से रात की नींद अधूरी रहती है और दिन में बहुत ज्यादा नींद और थकान महसूस होती है।

तनाव बढ़ जाता है तब होती है समस्या

दरअसल डिप्रेशन और तनाव व्यक्ति के जीवन का एक हिस्सा भी होता है। यह कभी-कभी और कम मात्रा में फायदेमंद भी माना जाता है। जैसे, किसी काम को करने के लिए हम स्वयं को हल्के दबाव में महसूस करते हैं तो अपने उस काम को अच्छी तरह से करते हैं। ऐसा करते वक्त उत्साह भी बना रहता है। लेकिन जब यह तनाव अधिक और अनियंत्रित हो जाता है तो यह हमारे मस्तिष्क और शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डालता है और यह कब अवसाद में बदल जाता है, व्यक्ति को पता नहीं चलता। डिप्रेशन मोटी तौर पर उस व्यक्ति को होता है जो हमेशा तनाव में रहता है।

थायराइड की समस्या

थायराइड ग्रंथि हमारे शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करती है। अगर यह ग्रंथि अंडरएक्टिव है, तो यह शरीर के कार्यों को धीमा कर देती है, जिसमें ऊर्जा का उत्पादन भी शामिल है। हाइपोथायरायडिज्म के कारण अक्सर लोगों को बहुत ज्यादा थकान और आलस महसूस होता है, जिससे उन्हें अधिक नींद आती है। अगर इसके अन्य लक्षण भी दिखें, जैसे वजन बढ़ना, थकान महसूस होना तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

पोषण की कमी और अवसाद

शरीर में आयरन, विटामिन बी12 और अन्य जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी थकान और आलस का कारण बन सकती है। इसके अलावा, अवसाद भी हाइपरसोम्निया का एक प्रमुख कारण है। डिप्रेशन में व्यक्ति अक्सर बहुत ज्यादा सोता है, क्योंकि नींद उसकी समस्याओं से बचने का एक तरीका बन जाती है।

क्या करें?

अगर आपको लगातार 7 से 8 घंटे से ज्यादा सोने की जरूरत महसूस हो रही है, या नींद पूरी होने के बाद भी दिन में सुस्ती और आलस बना रहता है, तो डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर कुछ टेस्ट करके सही कारण का पता लगा सकते हैं। इसके साथ ही जीवनशैली में बदलाव, जैसे नियमित व्यायाम और संतुलित आहार, इस समस्या को दूर करने में बहुत मददगार हो सकता है।

15 दिन में डार्क सर्कल से छुटकारा! बस इस्तेमाल करें इस सस्ते फल का छिलका

अगर आप फ्री में आंखों के नीचे आए डार्क सर्कल हटाना चाहते हैं तो हमारा बताया एक नुस्खा आजमाकर देख लें।

अगर आप आंखों के नीचे आए डार्क सर्कल से परेशान हैं और उन्हें हटाने का आसान, प्राकृतिक तरीका ढूंढ़ रहे हैं, तो हम आपके लिए एक बेहतरीन नुस्खा लेकर आए हैं। दरअसल, कई बार डार्क सर्कल नींद की कमी, तनाव, या थकान के कारण हो जाते हैं, लेकिन अब इनके लिए महंगे प्रोडक्ट्स खरीदने की जरूरत नहीं है।

केले का छिलका, जो आमतौर पर हम फेंक देते हैं, उसमें छुपे हैं कुछ प्राकृतिक गुण जो आपकी त्वचा को निखारने और डार्क सर्कल कम करने में मदद करते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप केवल केले के छिलके की मदद से अपने चेहरे की खूबसूरती वापस पा सकते हैं। ये नुस्खा न सिर्फ सुरक्षित और आसान है, बल्कि ये आपकी त्वचा को भी पोषण देता है।

इस्तेमाल का ये है तरीका

केले के छिलके की मदद से अगर आप डार्क सर्कल हटाना चाहते हैं तो सबसे पहले तो अपने चेहरे को अच्छे फेसवॉश की मदद से साफ कर लें। चेहरे पर गंदगी जमा होगी, तो इसका असर नहीं दिखेगा। इसलिए चेहरे को साफ करें, ताकि ये जल्दी असर दिखाए।

अब चेहरा साफ करने के बाद केले को छीलकर खा लें और उसका छिलका इस्तेमाल करने के लिए रख लें। अब इस छिलके को अंदर की तरफ से आंखों के नीचे की साइड हल्के हाथ से रगड़ें। 10 से 15 मिनट ऐसा करें, और फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

कब करें इस्तेमाल

केले के छिलके को चेहरे पर लगाने के कोई साइड इफेक्ट नहीं है, इसलिए आप इस विधि को दिन में दो बार आजमा सकते हैं। लगभग 15 दिन लगातार इसके लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

इन बातों का ध्यान रखना जरूरी

यदि आप केले के छिलके का इस्तेमाल डार्क सर्कल हटाने के लिए कर रहे हैं तो हाथों को सबसे पहले धो लें। गंदे हाथ आपकी स्किन को नुकसाान पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को एलर्जी का खतरा रहता है, ऐसे में उनके लिए ये बेहद जरूरी है कि वो लोग पहले थोड़ी जगह पर टेस्ट कर लें कि एलर्जी तो नहीं हो रही। अगर कोई दिक्कत नहीं हो रही है तो ये नुस्खा ट्राई करें।

पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में होती है एंग्जाइटी और डिप्रेशन की समस्या

इस रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों की तुलना में महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का ज्यादा सामना करना पड़ता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट ने एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का बोझ महिलाओं पर असमान रूप से ज्यादा है। जहां दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग इन समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं चिंता और अवसाद जैसी स्थितियां पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक प्रभावित कर रही हैं।

सदियों से महिलाओं को एक मजबूत स्तंभ के रूप में देखा गया है, जो घर और बाहर की जिम्मेदारियों को निभाती हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में उनके मानसिक स्वास्थ्य को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। तनाव, सामाजिक दबाव, हार्मोनल बदलाव और पारिवारिक जिम्मेदारियां जैसे कई कारण उन्हें मानसिक बीमारियों के प्रति ज्यादा संवेदनशील बनाते हैं। इस गंभीर स्थिति को समझना और इसके कारणों, लक्षणों और समाधानों पर ध्यान देना आज की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। इसलिए आइए इस लेख में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य के कारणों, लक्षणों और समाधान के बारे में विस्तार से जानते हैं।

सामाजिक और शारीरिक संरचना एक कारण

महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की बढ़ती दर के पीछे कई कारण हैं। सामाजिक दबाव, भेदभाव और आर्थिक असमानता एक बड़ा कारण है। महिलाओं को अक्सर घर के अंदर और बाहर दोनों जगह की जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं, जिससे उन पर अत्यधिक दबाव पड़ता है।

इसके अलावा, महिलाओं की शारीरिक संरचना भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जैसे कि हार्मोनल बदलाव। गर्भावस्था, प्रसव, मासिक धर्म और मेनोपॉज जैसे जीवन के अलग-अलग चरणों में होने वाले हार्मोनल परिवर्तन उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, जिससे अवसाद और एंग्जाइटी का खतरा बढ़ जाता है।

लक्षण और पहचान

मानसिक स्वास्थ्य के लक्षण कई तरह के हो सकते हैं और इन्हें समझना बहुत जरूरी है। लगातार उदास रहना, रुचि खो देना, चिड़चिड़ापन, नींद में बदलाव (बहुत अधिक सोना या नींद न आना) और थकान महसूस होना कुछ आम लक्षण हैं। शारीरिक लक्षण जैसे सिरदर्द और पाचन संबंधी समस्याएं भी इसके संकेत हो सकती हैं।

कई बार महिलाएं इन लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। समय पर इन संकेतों को पहचानना ही सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम है।

क्या करें?

जब महिलाएं मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करती हैं, तो सबसे पहला और जरूरी कदम है इसके बारे में बात करें। समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जो गलत धारणाएं और शर्म हैं, उन्हें तोड़ना बेहद जरूरी है। अपने परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करें, क्योंकि उनका भावनात्मक सहारा बहुत मदद कर सकता है। अगर समस्या ज्यादा है, तो किसी प्रोफेशनल थेरेपिस्ट की मदद लें। थेरेपी एक सुरक्षित जगह है जहां आप बिना किसी डर के अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकती हैं।

इसके अलावा ऐसे सपोर्ट ग्रुप्स से जुड़ना भी बहुत फायदेमंद हो सकता है जहां आप उन लोगों से मिल सकती हैं जो आपकी जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। साथ ही अपनी खुद की देखभाल पर भी ध्यान देना बहुत महत्वपूर्ण है। सुनिश्चित करें कि आप हर रात पर्याप्त नींद लें, क्योंकि नींद की कमी मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करती है। अपनी डाइट में संतुलित और पौष्टिक आहार शामिल करें, और नियमित रूप से व्यायाम करें। ये सभी आदतें न सिर्फ आपके शरीर को स्वस्थ रखती हैं, बल्कि आपके दिमाग को भी शांत और स्थिर बनाने में मदद करती हैं।

ट्रंप के टैरिफ को बेअसर कर देगी जीएसटी दरों में कमी, दिवाली पर बंपर ऑफर से गुलजार होगा बाजार

दिवाली, दशहरा और नवरात्र जैसे त्योहारी सीजन के पहले जीएसटी दरों में कमी से बाजार में मांग बढ़ने और व्यापारियों को बड़ा लाभ होने का अनुमान है। देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत के लगभग दर के साथ आगे बढ़ रही है। जीएसटी दरों में कमी आर्थिक तरक्की की इस रफ्तार को और तेज करने का काम करेगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद बताया कि महत्त्वपूर्ण वस्तुओं पर जीएसटी दरों को घटाने का निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में काम आने वाली अनेक वस्तुओं, कृषि क्षेत्र में खाद बनाने वाले प्रमुख रसायनों, हाथ से बनाए जाने वाली वस्तुओं, निजी इंश्योरेंस, आंखों के लिए नंबर वाले चश्मे सहित रोजमर्रा के उपभोग की अनेक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी की गई है। आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि जीएसटी दरों में कमी से पूरे देश में मांग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। जीएसटी दरों में कमी के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ से होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिलेगी। जीएसटी दरों में कमी 22 सितंबर यानी नवरात्रों के पहले दिन से प्रभावी होगी।

दिवाली, दशहरा और नवरात्र जैसे त्योहारी सीजन के पहले जीएसटी दरों में इस कमी से बाजार में मांग बढ़ने और व्यापारियों को बड़ा लाभ होने का अनुमान है। देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत के लगभग दर के साथ आगे बढ़ रही है। जीएसटी दरों में कमी आर्थिक तरक्की की इस रफ्तार को और तेज करने का काम करेगी।

पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने जीएसटी दरों के लागू होने के समय ही इस बात का अनुमान जताया था कि समय आने के साथ जीएसटी दरों को केवल दो कैटेगरी में समेटा जा सकता है। लेकिन इसके लिए केंद्र और राज्यों को पर्याप्त समय देना चाहिए। कहा जा सकता है कि सरकार पूर्व वित्त मंत्री की बातों को पूरा करती हुई दिखाई दे रही है।

गरीबी को कम करने में मिलेगी मदद

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2011-12 में भारत में गरीबी दर 27.1 प्रतिशत के करीब थी, लेकिन 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत के करीब रह गई है। ये आंकड़े यह बताते हैं कि केंद्र सरकार के विभिन्न उपायों, सार्वजनिक खाद्य वितरण प्रणाली के अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने से गरीबी को कम करने में मदद मिली है। आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी आने के कारण इससे गरीबी के आंकड़े को और कम करने में मदद मिलेगी।

घरेलू मांग में बढ़ोतरी, छोटे व्यापारियों को लाभ

जीएसटी काउंसिल ने घरेलू उपभोग की आवश्यक वस्तुओं को शून्य या पांच फीसदी की जीएसटी दरों के अंदर लाने का निर्णय कर दिया है। इससे इन उत्पादों की खपत में बढ़ोतरी होगी। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इन वस्तुओं के खपत में बढ़ोतरी होगी और इसका सीधा लाभ इन वस्तुओं के उत्पादन में लगे छोटी-छोटी व्यापारिक इकाइयों और खुदरा दुकानदारों को होगा।

अमेरिकी टैरिफ के नुकसान को कम करने में मिलेगी मदद

अमेरिकन टैरिफ के कारण निर्यात में कमी होने से सबसे ज्यादा नुकसान निम्न और मध्यम वर्ग के उद्योगों और छोटे व्यापारियों को ही होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसमें हैंडीक्राफ्ट, कपड़े जैसे अहम क्षेत्र शामिल हैं। जीएसटी दरों में कमी होने से ऐसे छोटे उद्योगों और छोटे व्यापारियों को लाभ मिल सकता है। घरेलू मांग बढ़ने से इस सेक्टर को उस कमी की भरपाई हो सकती है जो अमेरिकन टैरिफ के कारण पैदा होने की संभावना है। ऐसे में आर्थिक जानकार टैरिफ दरों की कमी को सीधे अमेरिकन टैरिफ से मुकाबला करने की एक बेहतर रणनीति मान रहे हैं।

बचत में बढ़ोतरी

निम्न और मध्यम वर्ग के निचले उपवर्ग के उपभोक्ताओं की कमाई का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा खाद्य वस्तुओं की खरीद में चला जाता है। यदि जीएसटी की दरों में कमी के कारण इन वस्तुओं की कीमतों में कमी होती है तो इससे यह वर्ग आसानी से आवश्यक वस्तुओं की खरीद कर पाएगा। उसके बचत में भी बढ़ोतरी हो सकती है जो उसका जीवन स्तर ऊंचा करने में मददगार साबित होगी।

'लचीला रुख अपनाए केंद्र सरकार'

आर्थिक मामलों के जानकार डॉ. नागेंद्र कुमार शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि केंद्र सरकार और जीएसटी काउंसिल का जीएसटी दरों में कमी करने पर विचार करना एक सोचा समझा और रणनीतिक कदम है। जीएसटी दरों के अत्यधिक होने से वस्तुओं की कीमतों में अकारण वृद्धि होती है जिसका नुकसान उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों को होता है। इससे अर्थव्यवस्था की गति पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।

उन्होंने कहा कि सरकार जीएसटी दरों को दो फ्लैट दरों पर समेटने में सहमत हो गई है। इससे सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, गरीबी को कम करने, लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठाने और रोजगार निर्माण में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल उन्हीं वस्तुओं को 40 फीसदी के टैक्स दर में रखना चाहिए जिस सेक्टर को हतोत्साहित करना देश-समाज के हित में हो। शराब, पान-मसाला, जर्दा जैसे उत्पाद और महंगे कोल्ड ड्रिंक्स ऐसे ही सेक्टर हैं जिन पर सरकार 40 दर पर टैक्स लगा रही है। इन वस्तुओं के उपभोग में कमी लाना जनहित में है, इसलिए ऐसे कदमों का स्वागत किया जाना चाहिए।

इनकम टैक्स रिटर्न जमा करने की आखिरी तारीख नजदीक, चुटकियों में ऐसे जमा करें आईटीआर

नई दिल्ली, एजेंसी। इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) जमा करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट के मुताबिक 31 अगस्त तक 4.18 करोड़ लोग आईटीआर जमा कर चुके हैं, जिसमें से 3.98 करोड़ रिटर्न को वेरिफाई किया जा चुका है। वहीं, 2.74 करोड़ वेरिफाइड रिटर्न को प्रोसेस किया जा चुका है।

माना जाता है कि आईटीआर फाइलिंग के लिए आपको सीए या किसी वित्तीय पेशेवर की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आप नौकरी करते हैं या फिर ऐसे करदाता है, जिसके लेनदेन ज्यादा जटिल नहीं है तो आप आसानी से स्वयं अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। अगर आप वेतनभोगी हैं और आपके पास नियोक्ता द्वारा जारी किया गया फॉर्म 16 है, तो आपको सीए की जरूरत नहीं है। ऐसे में आप आईटीआर फॉर्म-1 (सहज) भरकर अपना रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। यह फॉर्म वेतनभोगी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और सामान्य आय वालों के लिए बनाया गया है। हालांकि, जिन लोगों की व्यावसायिक आय, पूंजीगत लाभ, अंतरराष्ट्रीय लेनदेन या विभिन्न छूट/कटौतियां हैं, उन्हें आईटीआर के अन्य फॉर्म (जैसे आईटीआर-3, आईटीआर-4, आईटीआर-5 आदि) का उपयोग करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में, किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट या कर सलाहकार की मदद लेना सुरक्षित रहता है, क्योंकि गलत जानकारी देने पर रिटर्न अस्वीकार हो सकता है और समय पर सही रिटर्न न भरने पर जुर्माना भी लग सकता है।

वित्त वर्ष 2024-25 (असेसमेंट ईयर 2025-26) में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कुल 7 प्रकार के आईटीआर फॉर्म उपलब्ध कराए हैं।

-आईटीआर-1 (सहज): यह वेतनभोगी, पेंशनभोगी और सामान्य आय वालों के लिए है।

-आईटीआर-2: यह उन व्यक्तियों के लिए है, जिनकी आय वेतन, संपत्ति या पूंजीगत लाभ से आती है।

-आईटीआर-3: व्यवसाय या पेशेवर आय वालों के लिए है।

-आईटीआर-4 (सुगम): छोटे व्यवसायों और पेशेवरों के लिए है।

-आईटीआर-5, आईटीआर-6 और आईटीआर-7: कंपनियों, ट्रस्टों और संस्थानों के लिए है।

जानकारों के मुताबिक, आपकी आय और निवेश जितना सरल होता है, आईटीआर भरना भी उतना ही आसान होता है। अगर आप स्वयं फॉर्म-16 का उपयोग करके आईटीआर फॉर्म-1 के जरिए रिटर्न भर रहे हैं, तो इन स्टेप का पालन करें।

-इनकम टैक्स की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। यहां आपको यूजर आईडी (पैन) और पासवर्ड दर्ज करना होगा।

-ई-फाइल का विकल्प चुनें। फिर इनकम टैक्स रिटर्न में जाएं और फाइल इनकम टैक्स रिटर्न का विकल्प चुनें।

-फिर असेसमेंट ईयर 2025-26 चुनें।

-आईटीआर फॉर्म-1 चुनें, जो कि वेतनभोगी करदाताओं के लिए होता है।

-अब प्री-फिल्ड डेटा पर क्लिक करें।

-आपका पैन, वेतन, टीडीएस और बैंक विवरण पोर्टल पर पहले से भरे होंगे। इन्हें ध्यान से देखें और जरूरत पड़ने पर बदलाव करें।

-इसके बाद फॉर्म-16 की मदद से डिटेल्स भरें।

सारी जानकारी भरने के बाद अपने आईटीआर को वेरिफाई करें। आप आधार ओटीपी या नेटबैंकिंग के माध्यम से तत्काल वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

चीन की विक्ट्री डे परेड पर थी डोनाल्ड ट्रंप की नजर, जिनपिंग से अमेरिका के लिए चाहते थे इस बात का क्रेडिट

वॉशिंगटन, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बुधवार को चीन की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड में शामिल होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान देते हुए कहा था कि पुतिन, किम जोंग उन और शी जिनपिंग अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। वहीं अब चंद घंटों बाद ट्रंप ने बीजिंग और वाशिंगटन के बीच संबंधों की वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी की है, और चीनी नेतृत्व के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को बहुत अच्छा बताया है। व्हाइट हाउस में पोलैंड के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान बोलते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ने परेड के दौरान शी जिनपिंग के भाषण पर अपनी निराशा व्यक्त की , क्योंकि चीनी राष्ट्रपति ने चीन के स्वतंत्रता संघर्षों के दौरान समर्थन देने में अमेरिका की भूमिका को मान्यता नहीं दी थी।

चीन का सैन्य परेड पर ट्रंप का बयान

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर चीन द्वारा आयोजित विशाल सैन्य परेड का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह बहुत प्रभावशाली और सुंदर था, एवं उन्होंने यह संकेत दिया कि यह उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए किया गया था, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। ट्रंप ने कहा 'जब उन्होंने जो किया, मुझे लगा कि यह एक सुंदर समारोह था, यह बहुत प्रभावशाली था, लेकिन मैं समझ गया कि वो ऐसा क्यों कर रहे थे। वो उम्मीद कर रहे थे कि मैं देख रहा हूं, और मैं देख रहा था। उन सभी के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैं, और अगले एक या दो सप्ताह में हमें पता चल जाएगा कि यह कितना अच्छा है'।

भाषण में अमेरिका का जिक्र न होने पर ट्रंप निराशा

हालांकि समारोह की सराहना करने के बावजूद ट्रंप ने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि राष्ट्रपति शी ने अपने भाषण में अमेरिकी सैनिकों का जिक्र या धन्यवाद नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि जब चीन स्वतंत्रता की बात करता है तो हमने उसकी बहुत मदद की है, और मैं नहीं मानता कि चीन को स्वतंत्रता दिलाने में मदद करने के लिए अमेरिका को स्वीकार किया गया है... मैंने कल रात राष्ट्रपति शी को सुना, और मुझे लगता है कि अमेरिका का जिक्र किया जाना चाहिए था, क्योंकि हमने चीन की बहुत मदद की है।

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ

चीन ने द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशाल सैन्य परेड का आयोजन किया था। जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन भी शामिल हुए। इस दौरान बीजिंग ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया। इस विशाल शक्ति प्रदर्शन में 50,000 मेहमानों और दर्शकों के सामने चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया गया। चीन 3 सितम्बर को 1945 में जापान के खिलाफ संघर्ष में मिली जीत की वर्षगांठ के रूप में मनाता है, जब द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार हुई थी। चीन ने बीजिंग के तियानमेन चौक पर एक विशाल और बेहद सुनियोजित सैन्य परेड का आयोजन किया, जिसमें एक नई लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल, पानी के नीचे चलने वाले ड्रोन और यहां तक कि रोबोट भेड़ियों का भी प्रदर्शन किया गया।

जिनपिंग ने देश को बताया अजेय

इस दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने देश को अजेय" बताते हुए कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान शांतिपूर्ण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। जिनपिंग ने कहा कि चीन शांतिपूर्ण विकास के मार्ग पर चलेगा, मानवता, शांति और विकास का उद्देश्य प्रबल होगा।

'हमने चीन की आजादी में मदद की'

हालांकि ट्रंप ने शिकायत की कि चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका को भाषण से बाहर रखा गया। ट्रंप ने बुधवार को कहा 'राष्ट्रपति शी मेरे मित्र हैं, लेकिन मुझे लगा कि कल रात के भाषण में अमेरिका का उल्लेख किया जाना चाहिए था, क्योंकि हमने चीन की मदद की थी'।

अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रचने का आरोप

परेड से पहले ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ पर शी जिनपिंग पर अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया था क्योंकि किम जोंग उन और पुतिन सैन्य परेड में शामिल हुए थे। ट्रंप ने पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति शी और चीन की जनता को मेरी शुभकामनाएं। कृपया मेरी गर्मजोशी भरी बधाई पुतिन और किम जोंग उन को भी दें, क्योंकि आप सब मिलकर अमेरिका के खिलाफ साजिश कर रहे हैं'। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, "सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग उस भारी समर्थन और खून का जिक्र करेंगे जो संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीन को एक बेहद विदेशी आक्रमणकारी से आजादी दिलाने में दिया था।चीन की विजय और गौरव की खोज में कई अमेरिकी मारे गए। मुझे उम्मीद है कि उन्हें उनके साहस और बलिदान के लिए उचित सम्मान और याद दिया जाएगा!'।

'वहां होना मेरे लिए उचित नहीं होता'

ट्रंप ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा था कि वह इस परेड को संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए चुनौती के रूप में नहीं देखते। 3 सितम्बर को जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या वह इस बात से नाराज हैं कि उन्हें बीजिंग में परेड में आमंत्रित नहीं किया गया, तो उन्होंने कहा, वहां होना मेरे लिए उचित नहीं होता'।

वैक्सीन अब जरूरी नहीं! अमेरिका के फ्लोरिडा में नए नियम से बच्चों और सैलानियों पर संकट?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में सरकार सभी वैक्सीन अनिवार्यताओं को खत्म करने की तैयारी में है। इसमें स्कूल जाने वाले बच्चों के टीकाकरण की शर्तें भी शामिल हैं। गवर्नर रॉन डीसैंटिस और राज्य के सर्जन जनरल जोसेफ लैडापो ने बुधवार को ऐलान किया।

उन्होंने कहा कि वे व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा के लिए इस कदम को आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह फैसला बच्चों और समाज दोनों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

आधा दर्जन वैक्सीन नियमों को हटाने का प्लान

लैडापो ने कहा कि उनकी एजेंसी लगभग आधा दर्जन वैक्सीन नियमों को हटाने जा रही है। हालांकि, बड़े बदलावों को लागू करने के लिए रिपब्लिकन-बहुल फ्लोरिडा विधानसभा की मंजूरी जरूरी होगी। अभी साफ नहीं है कि किन-किन टीकों की अनिवार्यता खत्म होगी। फिलहाल सभी अमेरिकी राज्यों में बच्चों का टीकाकरण स्कूल दाखिले के लिए जरूरी है।

विशेषज्ञों की चेतावनी- बड़ा संकट आएगा

सीडीसी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में खसरा, डिप्थीरिया और पोलियो जैसे टीकों की दर में गिरावट आई है। इसी दौरान खसरे के मामलों में 2000 के बाद सबसे बड़ा उछाल देखने को मिला। जानकारों का कहना है कि अगर अगर वैक्सीन नियम हटा दिए गए तो बच्चों में टीके से बचाव योग्य बीमारियां तेजी से फैलेंगी और वे इन्हें अपने घरों तक ले जाएंगे। इस फैसले को लापरवाह बताते हुए चेता रहे हैं कि हर प्रभावित परिवार को इस नीतिगत बदलाव की कीमत चुकानी पड़ेगी।

टूरिज्म और डे-केयर पर असर

विशेषज्ञ मानते हैं कि फ्लोरिडा में यह कदम डे-केयर और अन्य संस्थानों की सुरक्षा को कमजोर कर देगा। साथ ही, चूंकि फ्लोरिडा एक बड़ा पर्यटन केंद्र है, यहां से संक्रमण अन्य राज्यों तक भी फैल सकता है। सीडीसी के मुताबिक, 2024-25 में फ्लोरिडा के करीब 11,287 किंडरगार्टन बच्चों को वैक्सीन से छूट मिली जो पूरे अमेरिका में टेक्सास के बाद दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। इसी बीच कैलिफोर्निया, ओरेगन और वॉशिंगटन ने एक संयुक्त स्वास्थ्य गठबंधन बनाकर कहा है कि वे अपनी वैक्सीन नीतियां खुद तय करेंगे, भले ही वे संघीय सरकार से अलग क्यों न हों।

बड़ा बेटा मौजूद फिर उत्तराधिकारी के लिए बेटी को क्यों प्रमोट कर रहे हैं किम जोंग उन?

बीजिंग। बीजिंग दौरे पर पहुंचीं किम जोंग उन की बेटी किम जो आह एक बार फिर से सुर्खियां बटोर रही हैं। 15 साल की किम जो आह को उत्तरी कोरिया तानाशाह का उत्तराधिकारी माना जाता है। किम जू ए पहले भी अपने पिता के साथ कई सार्वजनिक मौकों पर देखी जाती रही हैं। किम जोंग उन के 3 बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा सबसे बड़ा है। सवाल उठ रहा है कि अपने बड़े बेटे को छोड़कर किम अपनी बेटी को क्या आगे कर रहे हैं?

साल 2010 में जन्मीं किम जो आह किसी स्कूल से पढ़ाई नहीं की हैं। किम जो आह को घुड़सवारी का शौक है। उनकी घुड़सवारी का खुद सुप्रीम लीडर किम जोंग उन भी फैन बताए जाते हैं। आह तैराकी और स्कीइंग भी करती हैं।

किम जोंग उन के बाद किम जो आह एकमात्र परिवार की सदस्य हैं,

जिसे सम्मानित कहकर अधिकारी संबोधित करते हैं। उत्तर कोरिया में सम्मानित सिर्फ सुप्रीम लीडर यानी नेता को कहा जाता है।

किम जो आह को क्यों आगे किया?

1- पितृसत्ता व्यवस्था को तोड़ने की कोशिश- उत्तरी कोरिया तानाशाह किम जोंग उन परिवार का 1948 से मुल्क पर कब्जा है, लेकिन अब तक जितने भी तानाशाह वहां पर रहे हैं, वो पुरुष ही रहे हैं। किम परिवार पर पितृसत्ता का आरोप लगता रहा है।

2014 में इसे कम करने के लिए किम ने अपनी बहन का उत्तर कोरिया की सियासत में पदार्पण कराया। हालांकि, बहन को सरकार में कोई बड़ा पद नहीं मिल पाया। किम की बहन अभी सिर्फ पार्टी में वरिष्ठ पद पर काबिज हैं।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में कोरियाई मामले के व्याख्याता एडवर्ड हॉवेल बीबीसी से बात करते हुए कहते हैं- उत्तर कोरियाई नेताओं का पितृसत्तात्मक व्यवहार काफी चर्चाओं में रहा है। उस पर खूब बातें हुई है। किम उसे खत्म करने के लिए प्रतीकात्मक रूप से अपनी बेटी को आगे कर रही हैं।

2- बेटे के बारे में ज्यादा जानकारी- किम जोंग उन की 3 संतान हैं। एक बड़ा बेटा फिर बेटी किम जो आह और उसके बाद एक छोटा संतान। किम के बड़े बेटे और छोटे संतान के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं है। न ही वे अपने पिता के साथ ज्यादा दिखते हैं।

यह भी कहा जा रहा है कि किम अपने बेटे को आगे कर उत्तराधिकारी की लड़ाई को बहुत ज्यादा तेज नहीं करना चाहते हैं। इसलिए भी किम फूंक फूंक कर कदम रख रहे हैं।

3- किम के लिए बहन भी एक खतरा- किम के परिवार में उनके अलावा एक बहन किम यो जोंग हैं। किम यो जोंग अपने बयानों की वजह से खूब सुर्खियों में रहती हैं। किम यो जोंग को एक वक्त में भाई का उत्तराधिकारी माना जाता था, लेकिन बाद के दिनों में उन्हें कोई भी सरकारी पद नहीं दिया गया।

अब जिस तरीके से किम अपनी बेटी को प्रमोट कर रहे हैं, उससे लग रहा है कि आने वाले वक्त में बहन की जगह किम अपनी बेटी को कोई कुर्सी सौंप दें।

कहीं जलाए टायर तो कहीं सड़कों पर बैठ नारेबाजी, पीएम मोदी की मां को गाली पर बीजेपी का ऐसा बिहार बंद

पटना। बिहार की राजधानी पटना में बिहार बंद का असर दिखाई दे रहा है। पटना के पच्छिम दरवाजा मोड़ पर आगजनी कर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बंद किया। हाथों में स्लोगन भरी तख्तियां लिए कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा का महा गठबंधन के मंच से इस्तेमाल किए जाने के विरोध में एनडीए ने बिहार बंद का ऐलान किया है। सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक बंद का ऐलान किया गया है। हालांकि, इस दौरान जरूरी सेवाएं जैसे अस्पताल, एम्बुलेंस, और रेलवे को छूट दी गई है।

5 घंटे के बिहार बंद के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं ने दानापुर में विरोध प्रदर्शन किया। सड़कों पर टायर में आग लगाई गई सड़कों पर लोग बैठ गए और उन्होंने जमकर

नारेबाजी की। इसमें महिलाएं भी शामिल हुईं।

बीजेपी ने साधा INDIA पर निशाना

बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सड़क पर बैठकर, हाथ में तख्ती लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा, आपने देखा कि कुछ दिन पहले इंडिया गठबंधन की यात्रा में इंडिया गठबंधन के मंच से पीएम मोदी की दिवंगत मां को जिनका राजनीति से कुछ नाता नहीं था। उनको इंडिया के मंच से गाली दी गई। आज, एनडीए पीएम मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ पांच घंटे का बिहार बंद कर रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को देश से माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी नेता संजय मयूख ने कहा, एनडीए की ओर से बुलाए गए बंद में बिहार की माताएं और बहनें शामिल हैं। आप गाली देकर भाग नहीं सकते, बिहार की जनता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को करारा जवाब देगी।

"यह बेहद शर्मनाक है"

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, यह बेहद शर्मनाक है कि पीएम मोदी की दिवंगत मां के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्होंने अब तक माफी नहीं मांगी है। मैं राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से कहना चाहता हूं कि अगर हमारी पार्टी के किसी व्यक्ति ने इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया होता, तो हम उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते। हम इसकी निंदा करते हैं।

क्या-क्या रहेगा बंद?

बिहार में 5 घंटे का बंद का ऐलान किया गया है। इस बीच जान लीजिए कि सुपबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक क्या-क्या बंद रहेगा। इस दौरान स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थान बंद रहेंगे। इंटरसिटी बस सेवा, सरकारी संस्थाएं और प्राइवेट बिजनेस बंद रहेंगे। इसी के साथ इस दौरान पेट्रोल पंप और इसके अलावा मेडिकल और जरूरी चीजों की दुकानें खुली रहेंगी। साथ ही रेलवे सेवा भी खुली रहेगी।

बाढ़ग्रस्त पंजाब में अब उतारे गये ड्रोन, पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंचाने की मान सरकार की बड़ी पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब में बाढ़ के हालात से जूझ रहे लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए भगवंत मान सरकार ने अब ड्रोन के जरिए राहत सामग्री पहुंचानी शुरू कर दी है। जिन गांवों का सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है, वहां ड्रोन के ज़रिए सूखा राशन, दवाइयां, पीने का पानी, बच्चों के लिए दूध और ज़रूरी सामान छतों तक पहुंचाया जा रहा है। अमृतसर, गुरदासपुर, अजनाला, फाजिल्का और पठानकोट जैसे इलाकों में ड्रोन राहत सेवा लगातार सक्रिय है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई में सरकार हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। हर ज़रूरतमंद तक समय पर मदद पहुंचाने के लिए सभी संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है। यह तकनीक आधारित राहत अभियान न सिर्फ तेज़ है, बल्कि उन सैकड़ों लोगों के लिए उम्मीद बन गया है जो कई दिनों से फंसे हुए थे।

अधिकतर प्रभावित इलाकों में राहत

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार बाढ़ राहत कार्यों को बखूबी अंजाम दे रही है। यही वजह है कि राज्य के अधिकतर प्रभावित इलाकों में राहत कार्य समय पर और योजनाबद्ध तरीके से हो रहे हैं। सबसे बड़ी और असरदार पहल रही है ड्रोन के जरिए राहत सामग्री पहुंचाने की।

अमृतसर, अजनाला, फाजिल्का, गुरदासपुर और पठानकोट जैसे डूबे हुए इलाकों में पुलिस और प्रशासन ने मिलकर ड्रोन के ज़रिए मदद पहुंचाने का काम किया है। इन ड्रोन के ज़रिए उन गांवों में भी सामान पहुंचाया गया, जहां नावें भी नहीं जा सकती थीं। लोगों तक छतों के रास्ते राशन, पीने का पानी, ज़रूरी दवाइयां, बच्चों का दूध, बुजुर्गों की दवाएं, महिलाओं के लिए सैनिटरी पैड और टॉर्च जैसे सामान पहुंचाए गए।

इन राहत कार्यों में पुलिसकर्मी, अफसर, मेडिकल टीमें, एनडीआरएफ, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग दिन-रात जुटे हैं। फाजिल्का में पुलिसकर्मी खुद कंधे पर बोरे लादकर राशन पहुंचा रहे हैं। गुरदासपुर और पठानकोट में अधिकारी पानी में उतरकर मेडिकल कैंप चला रहे हैं। अजनाला में प्रशासन ट्रैक्टर और नावों से राहत सामग्री बंटवा रहा है।

हालात पर खुद सीएम मान की नजर

मुख्यमंत्री खुद स्थिति पर निगरानी कर रहे हैं, मंत्री प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं और स्थानीय प्रशासन हर गांव तक राहत पहुंचाने में जुटा है। यह सिर्फ राहत की कहानी नहीं है, बल्कि भरोसे और नए सोच वाले पंजाब की कहानी है। जहां सरकार और जनता एक-दूसरे के साथ खड़े हैं। जहां ज़रूरत पड़ने पर टेक्नोलॉजी भी लोगों की सेवा में लगाई जा रही है।

अवनीत कौर की फिल्म लव इन वियतनाम का ट्रेलर रिलीज, दिखी दर्द भरी प्रेम कहानी

फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी और वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर, राज बब्बर जैसे नामी कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में पंजाब और वियतनाम की खूबसूरत लोकेशन भी नजर आएंगी।

फिल्म लव इन वियतनाम में प्यार की कहानी देश की सीमाओं को पार करके एक खूबसूरत दुनिया से दर्शकों को रूबरू कराएगी। इस फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन भी हैं। फिल्म में लव ट्राइएंगल है, जो इन तीनों के किरदार के बीच बनता है।

फिल्म लव इन वियतनाम के ट्रेलर में पंजाब से शुरू होकर कहानी वियतनाम तक पहुंचती है। एक लड़का (शांतुन) और लड़की (अवनीत कौर) बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। लड़की की ख्वाहिश बड़े होकर लड़के की दुल्हन बनने की है। लेकिन लड़के पिता बड़े होने पर उसे वियतनाम भेज देते हैं। वियतनाम पहुंचकर उसे एक तस्वीर देखकर अनजान वियतनामी लड़की (खा नागन) से प्यार हो जाता है। लेकिन असल में वह उससे मिला भी नहीं है। इस वजह से पंजाबी की लड़की और उसकी दोस्त का दिल टूट जाता है। आखिरी ये प्रेम कहानी किस अंजाम पर जाकर खत्म होगी, यही फिल्म में दिखाया जाएगा।

फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी और वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर, राज बब्बर जैसे नामी कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में पंजाब और वियतनाम की खूबसूरत लोकेशन भी नजर आएंगी।

फिल्म लव इन वियतनाम ने जल्द ही सिनेमाघरों में पहुंचेगी। ओमांग कुमार, कैप्टन राहुल बाली प्रोड्यूस और राहत शाह काजमी निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर 2025

डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर रिलीज, बीयर का बिजनेस करने चलीं तमाा भाटिया और डायना पेंटी

भारत का सबसे पसंदीदा मनोरंजन मंच, प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी हिंदी ओरिजिनल कामेडी-ड्रामा सीरीज़ डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर जारी किया। यह सीरीज़ धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं, जबकि शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इस सीरीज़ का निर्देशन कालिन डीकुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गांगोपाध्याय ने लिखी है, जबकि इसकी रचना मिथुन गांगोपाध्याय और निशांत नायक ने की है।

इसमें मुख्य भूमिकाओं में तमाा भाटिया और डायना पेंटी नज़र आएंगी, इनके साथ ही जावेद जाफ़री, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफ़ी मोतीवाला और रणविजय सिंहा भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में 12 सितंबर को विशेष रूप से केवल प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर एक जोशीली धुन के साथ शुरू होता है, जो हमें दो जिगरी दोस्तों शिखा (तमाा भाटिया) और अनाहिता (डायना पेंटी) की जिंदगी की झलक दिखाता है। ये दोनों दोस्त अपना खुद का क्राफ्ट बीयर ब्रांड लान्च करने के एक दमदार आइडिया के साथ स्टार्ट-अप की दुनिया में कदम रखती हैं। इसके बाद शुरू होती है एक मजेदार और हाई-एनर्जी सफर, जिसमें बीयर के दिग्गजों, माफिया और ऐसे-ऐसे जुगाड़ सामने आते हैं, जिनकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

लेकिन सवाल यह है, क्या वे यह धारणा तोड़ पाएंगी कि महिलाएं बीयर नहीं बना सकतीं? क्या वे अपने खुद के बुने हुए जाल से निकल पाएंगी? या उनका सपना पूरा होने से पहले ही टूट जाएगा? डू यू वाना पार्टनर उन गहराई भरे, भावनात्मक रूप से जटिल, फिर भी मजेदार शोज में से एक है, जिनका मैं हिस्सा रही हूं, जो बात इसे सचमुच विशेष बनाती है, वह यह है कि यह महिला मित्रता और बहनचारे की भावना का जश्न मनाती है, बिना इसे स्त्री-पुरुष के टकराव की कहानी बनाए,

अभिनेत्री तमाा भाटिया ने कहा, यह दोस्ती, संघर्ष और सबसे अजीबोगरीब विचारों को हक़ीक़त में बदलने के साहस का जश्न है। मेरे लिए शिखा का किरदार निभाना और इस शानदार कलाकारों व टीम के साथ काम करना एक बदलाव लाने वाला अनुभव रहा है।

जब मैंने पहली बार डू यू वाना पार्टनर की कहानी सुनी, तो मुझे दोनों मुख्य महिला किरदारों के बीच की सच्ची केमिस्ट्री ने सबसे ज़्यादा आकर्षित किया , ऐसा कुछ जो हमें स्क्रीन पर बहुत कम और इतनी गहराई से देखने को मिलता है। यह शो सिर्फ उद्यमिता की यात्रा को ही नहीं दिखाता, बल्कि सहयोग और महिला दोस्ती के जादू को भी बहुत ख़ूबसूरती से पेश करता है, जिससे यह बेहद प्रासंगिक बन जाता है,।

अभिनेत्री डायना पेंटी ने कहा, अनाहिता का किरदार निभाना एक ऐसी महिला जो अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरे धैर्य और हिम्मत के साथ आगे बढ़ती है, अपनी सबसे अच्छी दोस्त का साथ निभाती है और उद्यमिता की राह में आने वाली तमाम चुनौतियों का सामना करती है, मेरे लिए रोमांचक और सशक्त अनुभव रहा है, यह सीरीज वास्तव में प्रेम और जुनून से बनी है, जिसे एक शानदार कलाकारों और क्रू ने जीवंत किया है, मुझे इंतज़ार है कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें, जो सिर्फ व्यावसायिक साझेदारी ही नहीं बल्कि दोस्ती के अटूट बंधन का भी उत्सव मनाती है।

बागी 4 का नया गाना ये मेरा हुस्न जारी, जबरदस्त डांस करती दिखीं हरनाज संधू

टाइगर श्राफ की फिल्म बागी 4 के सिनेमाघरों में रिलीज होने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। यह फिल्म 5 सितंबर, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी। इस फिल्म में टाइगर की जोड़ी हरनाज संधू के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब निर्माताओं ने बागी 4 का नया गाना ये मेरा हुस्न जारी कर दिया है, जिसमें हरनाज जोरदार डांस करती दिख रही हैं। यह गाना रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर छा गया है. एक ओर जहां फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में उत्साह बना हुआ था, वहीं इस गाने ने तो फैंस की बेसब्री को और भी बढ़ा दिया है. इस गाने में हरनाज कौर संधू बेहद बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज में दिख रही हैं.

समंदर किनारे फिल्माए गए इस गाने में हरनाज ने डांस और एक्सप्रेशन्स से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा है. बास्को मार्टिस की कोरियोग्राफी ने हरनाज के मूव्स को और भी शानदार बना दिया है. मेकर्स को विश्वास है कि पिछले गानों की तरह इसे भी लोग पसंद करेंगे. बोल्ड अवतार में वो खूबसूरत सुनहरे रेत और घाटियों के बीच दिख रही हैं.

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com